कानपुर, बुधवार, 3 जून, 2026
वर्ष: 03, अंक: 136, पृष्ठ: 8+4

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com
Website: www.swarajindianews.com

सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

इनसाइड मोजतबा खामेनेई जिंदा हैं...>Pg12

अपर आयुक्त भी कर रही मुद्दों की अनदेखी..>Pg03

मूल्य: 2 ₹

होटल-रेस्टोरेंट में भीषण अग्निकांड, 21 की जिंदा जलकर मौत, 50 से अधिक घायल

दिल्ली में मौत की आग

❍ दक्षिण दिल्ली के मालवीय नगर स्थित बहुमंजिला होटल-रेस्टोरेंट में बुधवार सुबह लगी भीषण आग ने राजधानी को दहला दिया। कई लोग खिड़कियों से कूदे

❍ स्थानीय लोगों ने गद्दे बिछाकर बचाई जानें, विदेशी नागरिक भी मृतकों में शामिल। शुरुआती जांच में गैस सिलेंडर विस्फोट और सुरक्षा लापरवाही की आशंका

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के मालवीय नगर इलाके में बुधवार सुबह हुए भीषण अग्निकांड ने पूरे देश को झकझोर दिया। दक्षिण दिल्ली के हौज रानी क्षेत्र स्थित एक बहुमंजिला भवन में संचालित होटल और रेस्टोरेंट में अचानक आग लग गई, जिसने देखते ही देखते पूरी इमारत को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में अब तक 21 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि 50 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। कई घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है, जिससे मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सुबह करीब 8:45 से 9:45 बजे के बीच इमारत के निचले हिस्से में स्थित रेस्टोरेंट से धुआं उठना शुरू हुआ। कुछ ही मिनटों में आग ऊपरी मंजिलों तक फैल गई, जहां होटल और बीएनबी शैली के कमरे बने थे। इमारत में ठहरे लोग धुएं और आग के बीच फंस गए। कई लोग जान बचाने के लिए खिड़कियों से लटकते और छलांग लगाते दिखाई दिए। स्थानीय लोगों ने तुरंत सड़क पर गद्दे और कंबल बिछाए, जिससे कई लोगों की जान बच सकी।

दिल्ली फायर सर्विस को सूचना मिलते ही दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। राहत एवं बचाव अभियान कई घंटों तक चला। अधिकारियों के अनुसार 37 से अधिक लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। कुछ पुलिसकर्मी और दमकलकर्मी भी रेस्क्यू के दौरान झुलस गए। घायलों को मैक्स साकेत, सफदरजंग और एम्स ट्रॉमा सेंटर सहित विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया। अस्पताल सूत्रों के मुताबिक कई मरीज 80 से 90 प्रतिशत तक झुलसे हुए हैं। मृतकों में भारत के अलावा मध्य एशिया और अफ्रीकी देशों के नागरिक भी शामिल बताए जा रहे हैं, जो इलाज या मेडिकल टूरिज्म के सिलसिले में दिल्ली आए थे।

घटना के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह तथा कांग्रेस नेता राहुल गांधी समेत कई नेताओं ने शोक व्यक्त किया। प्रधानमंत्री ने मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये तथा घायलों को 50 हजार रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की।

पुलिस ने मामले में गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। फोरेंसिक टीम और अग्निशमन विभाग संयुक्त जांच कर रहे हैं। शुरुआती जांच में गैस सिलेंडर विस्फोट, अवैध निर्माण, फायर एनओसी में गड़बड़ी और आपातकालीन निकास की कमी जैसे गंभीर सवाल उठ रहे हैं। यह हादसा एक बार फिर दिल्ली में फायर सेफ्टी नियमों की अनदेखी को उजागर करता है। संकरी गलियां, अवैध व्यावसायिक निर्माण और सुरक्षा उपकरणों की कमी ने राहत कार्य को भी प्रभावित किया। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि शुरुआती स्तर पर सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त होती तो इतनी बड़ी जनहानि टाली जा सकती थी।

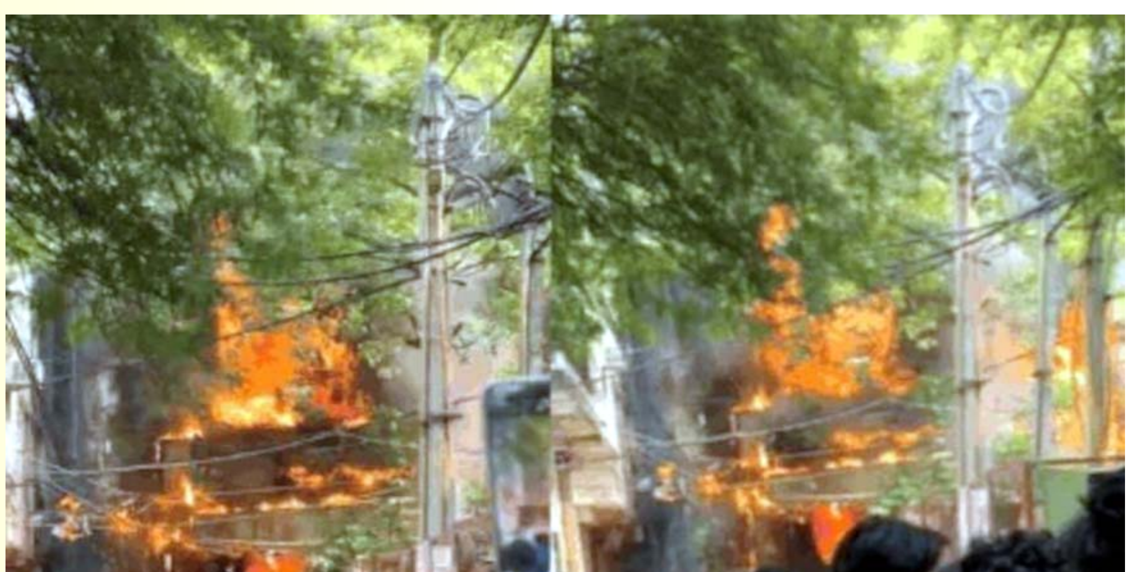

आखिर इतनी तेजी से कैसे फैली आग?

विशेषज्ञों के अनुसार होटल-रेस्टोरेंट जैसी इमारतों में ज्वलनशील इंटीरियर, गैस पाइपलाइन, एसी वायरिंग और बंद वेंटिलेशन आग को तेजी से फैलाते हैं। शुरुआती संकेत सिलेंडर ब्लास्ट की ओर इशारा कर रहे हैं।

क्या फायर एनओसी सिर्फ कागजों तक सीमित?

दिल्ली में बड़ी संख्या में होटल और गेस्ट हाउस आवासीय भवनों में संचालित हो रहे हैं। कई जगहों पर फायर एग्जिट, स्मोक अलार्म और स्प्रिंकलर सिस्टम या तो काम नहीं करते या मौजूद ही नहीं होते।

मेडिकल टूरिज्म हब बना मौत का जाल

मालवीय नगर और आसपास का इलाका विदेशी मरीजों और उनके परिजनों के ठहरने का बड़ा केंद्र माना जाता है। सस्ते बीएनबी और छोटे होटल अक्सर सुरक्षा मानकों की अनदेखी करते हैं।

- आग बहुमंजिला होटल-रेस्टोरेंट भवन के निचले हिस्से से शुरू हुई।
- हादसे में 21 लोगों की मौत और 50 से अधिक घायल होने की पुष्टि।
- मृतकों में विदेशी नागरिक भी शामिल बताए गए।
- कई लोग जान बचाने के लिए खिड़कियों से कूदे।
- स्थानीय लोगों ने सड़क पर गद्दे बिछाकर राहत कार्य में मदद की।
- 37 से अधिक लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया।
- कुछ पुलिसकर्मी और दमकलकर्मी भी झुलसे।
- सिलेंडर ब्लास्ट और सुरक्षा लापरवाही की आशंका जांच के केंद्र में।
- पीएम राहत कोष से मृतकों के परिजनों को दो लाख रुपये मुआवजा घोषित।
- पुलिस ने गैर इरादतन हत्या समेत गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया।

कड़ी निगरानी और सख्त जांच के बीच शुरू हुई टीजीटी भर्ती परीक्षा

24 केंद्रों पर पहली पाली में 10,607 अभ्यर्थियों ने दी परीक्षा, दूसरी पाली में 11 हजार से अधिक परीक्षार्थी होंगे शामिल

» जूते, घड़ियां, बालियां और पायल उतरवाकर मिला प्रवेश, त्रिस्तरीय जांच के बाद ही परीक्षा कक्ष में एंट्री

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग द्वारा आयोजित प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (टीजीटी) भर्ती परीक्षा बुधवार से जिले में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था और सख्त निगरानी के बीच शुरू हो गई। शहर के 24 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित परीक्षा में बड़ी संख्या में अभ्यर्थी शामिल हुए। परीक्षा को निष्पक्ष और नकलविहीन बनाए रखने के लिए प्रशासन और आयोग की ओर से व्यापक इंतजाम किए गए थे।

पहली पाली की परीक्षा सुबह 9:30 बजे से 11:30 बजे तक आयोजित की गई, जिसमें 10,607 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। आयोग के निर्देशों के अनुसार अभ्यर्थियों को निर्धारित समय से पहले परीक्षा केंद्र पर पहुंचना अनिवार्य किया गया था। सुबह 8:45 बजे सभी केंद्रों के प्रवेश द्वार बंद कर दिए गए, जिसके बाद किसी भी अभ्यर्थी को अंदर प्रवेश नहीं दिया गया।

परीक्षा केंद्रों पर त्रिस्तरीय सुरक्षा जांच की व्यवस्था लागू की गई थी। अभ्यर्थियों की पहले गेट पर पहचान पत्र और प्रवेश पत्र की जांच की गई, इसके बाद मेटल डिटेक्टर और मैनुअल चेकिंग के जरिए सत्यापन किया गया। जांच प्रक्रिया के दौरान महिला अभ्यर्थियों को कानों की बालियां और पैरों की पायल तक उतरवानी पड़ी, जबकि पुरुष अभ्यर्थियों से जूते, मोजे, बेल्ट और स्मार्ट वॉच बाहर ही जमा कराए गए। कई केंद्रों पर अभ्यर्थी चप्पल पहनकर परीक्षा कक्ष तक पहुंचे।

परीक्षा ड्यूटी में लगे कर्मचारियों और पर्यवेक्षकों को भी सुरक्षा जांच से गुजरना पड़ा।

आयोग ने स्पष्ट निर्देश दिए थे कि किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, ब्लूटूथ डिवाइस या संदिग्ध सामग्री को परीक्षा केंद्र के भीतर ले जाने की अनुमति नहीं होगी।

अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र पर तीन पासपोर्ट साइज फोटो, मूल पहचान पत्र और उसकी छायाप्रति साथ लाना अनिवार्य किया गया था। केंद्रों के बाहर पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारी लगातार निगरानी करते रहे, ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो सके।

दूसरी पाली की परीक्षा दोपहर 2:30 बजे से शाम 4:30 बजे तक है, जिसमें 11,047 अभ्यर्थियों के शामिल होने की संभावना है। आयोग ने यह भी निर्देश जारी किए हैं कि परीक्षा समाप्त होने से अंतिम आधे घंटे पहले तक किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा कक्ष छोड़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

फर्जी आदेश पर डीएम का बड़ा एक्शन पेशकार सस्पेंड, एफआईआर दर्ज

खारिज प्रकरण में भूमि उपयोग बदलने का खेल, एसडीएम के स्कैन हस्ताक्षर से तैयार किया गया फर्जी आदेश

» मुख्य संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। नर्वल तहसील में जमीन के भूमि उपयोग परिवर्तन से जुड़े फर्जीवाड़े का गंभीर मामला सामने आने पर जिला प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। न्यायालय से पहले ही खारिज किए जा चुके प्रकरण में फर्जी आदेश तैयार कर 0.41 हेक्टेयर भूमि को कृषि से औद्योगिक घोषित करने की कोशिश की गई। मामले का खुलासा खतौनी में फीडिंग से पहले हो गया, जिसके बाद डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह के निर्देश पर आरोपी पेशकार अनुज त्रिपाठी को तत्काल निलंबित कर एफआईआर दर्ज कराई गई है।

प्रकरण ग्राम बिरहर की भूमि से जुड़ा है। तहसील के कम्प्यूटर कक्ष में तैनात ऑपरेटर रोहित भदौरिया को फीडिंग के लिए भेजा गया आदेश संदिग्ध लगा। सूचना पर तहसीलदार ने जांच कराई तो पता चला कि संबंधित आवेदन को आवश्यक शपथपत्र, सहमति पत्र और अन्य दस्तावेज न देने के कारण न्यायालय पहले ही निरस्त कर चुका था। इसके बावजूद उसी मामले में भूमि को अकृषक और औद्योगिक उपयोग के लिए घोषित करने का आदेश तैयार कर कम्प्यूटर कक्ष भेज दिया गया।उपजिलाधिकारी नर्वल विवेक कुमार मिश्रा ने स्वयं जांच की। जांच में सामने आया कि आदेश पर लगे हस्ताक्षर उनके नहीं थे, बल्कि स्कैन कर लगाए गए थे। आदेश का प्रारूप भी न्यायालय के मूल आदेशों से अलग पाया गया। आरसीसीएमएस पोर्टल की जांच में संबंधित प्रकरण के पहले ही निरस्त होने की पुष्टि हुई।

जांच के दौरान न्यायालय में तैनात वाचक/पेशकार अनुज त्रिपाठी से जवाब मांगा गया, लेकिन वह संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं दे सके। प्रथम दृष्टया संलिप्तता पाए जाने पर उन्हें निलंबित कर दिया गया। आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 336(3), 337 और 340(2) के तहत नर्वल थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है।

कटे हाथ की जांच में उलझी प्रक्रिया, इंसाफ के इंतजार में आईटीबीपी जवान का परिवार

» 16 दिन बाद भी बॉक्स में सुरक्षित रखा गया कटा हाथ, डीएनए और हिस्टोपैथोलॉजी जांच को लेकर विभागों में पत्राचार तेज

फाइल फोटो

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

FOLLOW UP

कानपुर। आईटीबीपी जवान की मां के कटे हुए हाथ की जांच का मामला लगातार पेचीदा होता जा रहा है। घटना के 16 दिन बीत जाने के बावजूद कटा हुआ हाथ अब तक जांच प्रक्रिया में शामिल नहीं हो सका है और मेडिकल कॉलेज में सुरक्षित बॉक्स में रखा हुआ है। मामले में डीएनए परीक्षण और हिस्टोपैथोलॉजिकल जांच को लेकर स्वास्थ्य विभाग, पुलिस प्रशासन और जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के बीच लगातार पत्राचार चल रहा है।जानकारी के अनुसार, जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने पुलिस, प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग को पत्र भेजकर पहले डीएनए जांच कराने और उसके बाद हिस्टोपैथोलॉजिकल परीक्षण कराने का प्रस्ताव दिया है। इसके लिए छह सदस्यीय विशेषज्ञ टीम गठित करने की भी तैयारी की जा रही है। मेडिकल कॉलेज प्रशासन का कहना है कि पहले यह पुष्टि होना जरूरी है कि बरामद कटा हुआ हाथ वास्तव में आईटीबीपी जवान की मां का ही है।शुरुआत में चर्चा थी कि सीएमओ, पुलिस अधिकारियों और आईटीबीपी जवान की मौजूदगी में वीडियोग्राफी के बीच हिस्टोपैथोलॉजिकल जांच कराई जाएगी, लेकिन अब प्रक्रिया बदल दी गई है। अधिकारियों का मानना है कि डीएनए जांच के बिना आगे बढ़ना उचित नहीं होगा।जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य प्रो. संजय काला ने बताया कि इतने दिनों बाद सामान्य परीक्षण से कोई स्पष्ट निष्कर्ष निकलना संभव नहीं है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए वैज्ञानिक और फॉरेंसिक मानकों के अनुसार जांच कराई जाएगी, ताकि किसी भी स्तर पर तथ्यात्मक त्रुटि न रहे।

वहीं आईटीबीपी जवान विकास सिंह ने कहा कि मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस ने बयान दर्ज किए, अस्पतालों में जांच और वीडियोग्राफी भी कराई, लेकिन उसके बाद जांच की प्रगति के बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं दी गई। उन्होंने बताया कि उनकी मां के भी बयान दर्ज किए गए थे, फिर भी अब तक यह साफ नहीं हो पाया है कि जांच कब पूरी होगी और सच सामने आने में कितना समय लगेगा। परिवार का आरोप है कि लगातार बढ़ती प्रक्रिया और जांच में देरी से वे मानसिक तनाव से गुजर रहे हैं। उनका कहना है कि मामले की निष्पक्ष और जल्द जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की जाए, ताकि उन्हें न्याय मिल सके।

चलती इलेक्ट्रिक स्कूटी में लगी आग, सवार ने कूदकर बचाई जान

» संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। पनकी थाना क्षेत्र स्थित एलएमएल चौराहे पर बुधवार को एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। यहां चलती इलेक्ट्रिक स्कूटी में अचानक शॉर्ट सर्किट होने से भीषण आग लग गई। देखते ही देखते स्कूटी आग के गोले में तब्दील हो गई और पूरी तरह जलकर राख हो गई। राहत की बात यह रही कि स्कूटी सवार ने समय रहते कूदकर अपनी जान बचा ली।जानकारी के मुताबिक पतरसा निवासी वीरेंद्र मिश्रा ने करीब छह महीने पहले नई इलेक्ट्रिक स्कूटी खरीदी थी। बुधवार सुबह वह स्कूटी से घर से कंपनी जाने के लिए निकले थे। जैसे ही वह एलएमएल चौराहे के पास पहुंचे, तभी स्कूटी से अचानक धुआं निकलने लगा। वीरेंद्र कुछ समझ पाते, उससे पहले ही स्कूटी में तेज धमाके जैसी आवाज के साथ आग भड़क उठी।आग की लपटें तेजी से फैलने लगीं, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। वीरेंद्र ने तुरंत स्कूटी से कूदकर अपनी जान बचाई। आसपास मौजूद राहगीरों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन बैटरी में लगी आग पर काबू नहीं पाया जा सका। कुछ ही मिनटों में पूरी स्कूटी जलकर खाक हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में लोगों की भारी भीड़ जुट गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की जानकारी ली। शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट को आग लगने का कारण माना जा रहा है।

राज्यकर विभाग में तबादलों पर उठे सवाल, वर्षों से जमे कर्मचारियों की कुर्सियां बरकरार

अपर आयुक्त सान्या छाबड़ा कर रही हैं मुद्दों की अनदेखी

वर्षों से एक ही पटल पर तैनात कर्मचारियों की सूची

कर्मचारी का नाम	पद	वर्तमान तैनाती	कार्यकाल
संजीव अवस्थी	वरिष्ठ सहायक	अपर आयुक्त कार्यालय	लगभग 5 वर्ष
तुषार श्रीवास्तव	कनिष्ठ सहायक	अपर आयुक्त कार्यालय	लगभग 4 वर्ष
रोहित तिवारी	प्रधान सहायक	नाजिर पटल, उपायुक्त प्रशासन	लगभग 4 वर्ष
रवि वर्मा	वरिष्ठ सहायक	विशेष अनुसंधान शाखा अपर आयुक्त ग्रेड-2 कार्यालय	लगभग 5 वर्ष
विदिशा दयाल	कनिष्ठ सहायक	टैक्स ऑडिट कार्यालय	लगभग 5 वर्ष
साधना सिंह	वैयक्तिक सहायक	खंड कार्यालय	लगभग 7 वर्ष
दीपक शर्मा	वरिष्ठ सहायक	अपर आयुक्त अपील पीठ-4	लगभग 4 वर्ष
दीपिका पाल	वैयक्तिक सहायक	राज्य प्रतिनिधि पीठ-1 से पीठ-2 स्थानांतरित	औपचारिक स्थानांतरण की चर्चा

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। राज्यकर विभाग मुख्यालय लखनपुर कानपुर में वार्षिक तबादला सूची जारी होने के बाद विभागीय कर्मचारियों और अधिकारियों के बीच चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। शासन की मंशा के अनुरूप पारदर्शिता बढ़ाने और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए किए गए तबादलों के बावजूद कई कर्मचारियों के वर्षों से एक ही पटल पर बने रहने को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।

सूत्रों के अनुसार विभाग में तबादलों की प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही कर्मचारियों के बीच मनचाही तैनाती पाने की होड़ मची रही।

संयुक्त आयुक्त स्तर के अधिकारियों की स्क्रीनिंग कमेटी द्वारा तैयार की गई सूची में अंतिम समय में बदलाव होने की भी चर्चा रही। आरोप हैं कि कुछ कर्मचारियों ने अपनी पहुंच और सिफारिश के बल पर न केवल पसंदीदा स्थान हासिल किए बल्कि कई वर्षों से एक ही सीट पर बने रहने में भी सफलता प्राप्त कर ली।

विभागीय नियमों के अनुसार कर निर्धारण कार्यालयों में निर्धारित अवधि पूरी करने वाले कर्मचारियों को गैर कर निर्धारण अथवा प्रशासनिक शाखाओं में भेजा जाना चाहिए, ताकि कार्यप्रणाली में पारदर्शिता बनी रहे। हालांकि जारी सूची में कई कर्मचारियों को कर निर्धारण से कर निर्धारण तथा गैर कर निर्धारण से गैर कर निर्धारण कार्यालयों में ही स्थानांतरित किए जाने की चर्चा है।

विभाग के भीतर यह भी सवाल उठ रहे हैं कि कुछ कर्मचारी चार से पांच वर्षों से एक ही पटल पर कार्यरत हैं, जबकि शासन स्तर से नियमित रोटेशन की व्यवस्था लागू है। कर्मचारियों का कहना है कि तबादला नीति का उद्देश्य कार्यस्थलों पर लंबे समय से बने नेटवर्क को समाप्त करना और जवाबदेही बढ़ाना है, लेकिन व्यवहारिक स्तर पर इसका पूरा पालन होता दिखाई नहीं दे रहा।

बताया जा रहा है कि अपर आयुक्त कार्यालय, प्रशासनिक शाखा, विशेष अनुसंधान शाखा, टैक्स ऑडिट कार्यालय तथा अपील पीठों में भी कुछ कर्मचारी कई वर्षों से लगातार तैनात हैं। इससे विभाग में तबादला प्रक्रिया की निष्पक्षता को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश सरकार भ्रष्टाचार के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस नीति पर लगातार जोर दे रही है। ऐसे में राज्यकर विभाग की तबादला प्रक्रिया को लेकर उठ रहे सवाल प्रशासनिक पारदर्शिता और जवाबदेही के मुद्दे को एक बार फिर चर्चा के केंद्र में ले आए हैं। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि विभागीय अधिकारी इन आरोपों और चर्चाओं पर क्या रुख अपनाते हैं तथा भविष्य में तबादला नीति के पालन को लेकर क्या कदम उठाए जाते हैं।

महाराजपुर में तेंदुए का हमला, किसान गंभीर घायल

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। महाराजपुर क्षेत्र स्थित बैजा खेड़ा गांव में बुधवार सुबह तेंदुए के हमले से सनसनी फैल गई। भोर करीब पांच बजे किसान सुरेंद्र पासवान अपने भाई वीरेंद्र, पत्नी और बेटी के साथ खेतों में गुलाब के फूल तोड़ने गए थे। इसी दौरान अचानक पीछे से आए तेंदुए ने सुरेंद्र पर हमला कर दिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार तेंदुआ बेहद आक्रामक था और उसने सुरेंद्र को जमीन पर गिराकर बुरी तरह घायल कर दिया। चीख-पुकार सुनकर परिवार के लोग दौड़े और किसी तरह हिम्मत दिखाते हुए तेंदुए को वहां से भगाया। हालांकि तब तक किसान गंभीर रूप से घायल हो चुके थे। महाराजपुर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल किसान को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। ग्रामीणों ने बताया कि हमला करने के बाद तेंदुआ पास के मकई के खेत में घुस गया। आशंका के चलते गांव वालों ने खेत को चारों ओर से घेर लिया है और लोगों को उस दिशा में जाने से रोका जा रहा है। घटना के बाद पूरे इलाके में भय और दहशत का माहौल है। बच्चों और महिलाओं को घरों से बाहर न निकलने की सलाह दी जा रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि सूचना दिए जाने के बावजूद वन विभाग की टीम काफी देर तक मौके पर नहीं पहुंची। ग्रामीणों ने वन विभाग से तत्काल रेस्क्यू अभियान चलाकर तेंदुए को पकड़ने और गांव में सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

बर्रा से अगवा युवती की गोली मारकर हत्या, शव बुलंदशहर में फेंका

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। बर्रा थाना क्षेत्र से लापता 21 वर्षीय युवती की गोली मारकर हत्या किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। हत्या के बाद आरोपियों ने शव को बुलंदशहर में फेंक दिया। मामले में पुलिस ने उन्नाव के एक नर्सिंगहोम संचालक और उसके भतीजे को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। मुख्य आरोपी ने पूछताछ में हत्या की बात कबूल कर ली है।

मूल रूप से उन्नाव की रहने वाली महिला अपने बच्चों की पढ़ाई के लिए बर्रा के कर्रही विश्वबैंक इलाके में किराये पर रहती है। महिला ने 25 मई को बर्रा थाने में उन्नाव के शेखपुर स्थित उत्तम हॉस्पिटल के संचालक देवकांत उत्तम और उसके रिश्ते में भतीजे व एंबुलेंस चालक विवेक पटेल के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था।

महिला के अनुसार उनकी बेटी ने 19 मई को सदर कोतवाली में नर्सिंगहोम संचालक पर शारीरिक शोषण का आरोप लगाते हुए शिकायत की थी। इसके बाद विवेक पटेल ने युवती को मोबाइल पर संदेश भेजकर मिलने के लिए बुलाया। युवती घर से निकल गई, लेकिन वापस नहीं लौटी। उसका मोबाइल भी बंद हो गया।

परिजनों ने अपहरण और हत्या की आशंका जताते हुए पुलिस से शिकायत की थी। पुलिस ने जांच के दौरान आरोपी विवेक पटेल को हैलट अस्पताल के पास से गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने युवती को गोली मारकर हत्या करने और शव बुलंदशहर में फेंकने की बात स्वीकार की। इसके बाद पुलिस ने बुलंदशहर पुलिस से संपर्क कर अज्ञात शव की जानकारी जुटानी शुरू की।

इधर पुलिस दबाव बढ़ने पर नर्सिंगहोम संचालक देवकांत उत्तम ने मंगलवार को बर्रा थाने पहुंचकर सरेंडर कर दिया। दोनों आरोपी पूछताछ में एक-दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं। डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ जारी है और शव बरामदगी के लिए पुलिस टीम बुलंदशहर रवाना की गई है।

लापता किशोर की बॉडी मिलने के बाद सड़क जाम, 58 लोगों पर मुकदमा दर्ज

» पनकी पुलिस की लापरवाही को लेकर परिजनों ने किया हंगामा

» पनकी नहर में मिले किशोर के शव के बाद नाराज दिखे परिजन

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

परिजनों का आरोप है कि स्थानीय पुलिस ने किशोर को खोजने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई

सड़क पर किशोर की बॉडी रखकर हंगामा करते परिजन

कानपुर। पनकी नहर में किशोर का शव मिलने के बाद हुए हंगामे और सड़क जाम के मामले में पुलिस ने 58 लोगों के खिलाफ नामजद तथा अन्य अज्ञात लोगों पर मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस का आरोप है कि मृतक के परिजनों और समर्थकों ने सड़क जाम कर यातायात बाधित किया, जिससे कई घंटे तक लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा और आवश्यक सेवाओं के वाहन भी जाम में फंसे रहे।

जानकारी के अनुसार रतनपुर स्थित इन्द्रपुरी कॉलोनी निवासी 16 वर्षीय अनुभव शुक्ला का शव सोमवार को पनकी नहर में मिला था। शव मिलने की सूचना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा गया, जिसके बाद बड़ी संख्या में लोग सड़क पर उतर आए और कार्रवाई की मांग को लेकर जाम लगा दिया।

परिजनों ने मोहल्ले के ही एक किशोर और उसके साथियों पर हत्या का आरोप लगाते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने मृतक के पिता की तहरीर पर हत्या, मारपीट सहित अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। परिजनों का आरोप है कि किशोर की हत्या कर शव को नहर में फेंका गया।

वहीं पुलिस ने सड़क जाम और शांति व्यवस्था भंग करने के आरोप में 58 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। घटना को लेकर क्षेत्र में तनाव का माहौल रहा, जबकि पुलिस बल तैनात कर स्थिति को नियंत्रित किया गया।

इस मामले में पनकी इंस्पेक्टर दिनेश बिष्ट से बात करने का प्रयास किया गया लेकिन बात नहीं हो सकी।

मीडिया से बातचीत करती मृतक की बहन

मृतक अनुभव शुक्ला की फाइल फोटो

विवादों का दूसरा नाम है इंस्पेक्टर दिनेश बिष्ट

पनकी थाने में तैनात इंस्पेक्टर दिनेश बिष्ट पर पहले भी लापरवाही व मनमाने आचरण के आरोप लगा चुके हैं.

किशोर की मौत मामले में परिजनों का आरोप है कि पनकी पुलिस को समय से सूचना दी गई थी की बच्चे के हाथ में पहनी हुयी वॉच से लोकेशन आ रही थी लेकिन पनकी पुलिस ने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया. अगर समय रहते पुलिस सक्रिय होती तो शायद किशोर को बचाया जा सकता था.वही करणी सेना के पदाधिकारी के अधिकारी और पनकी इंस्पेक्टर से बातचीत का ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है इसमें इंस्पेक्टर बड़े ही गंदे और अभद ढंग से बातचीत करते दिखाई दे रहे हैं. इससे पता चलता है कि इंस्पेक्टर दिनेश बेस्ट कितने बेलगाम और लापरवाह इंसान हैं.

कानपुर सेंट्रल पर आरपीएफ का सघन सुरक्षा अभियान, डॉग स्कवॉड के साथ हुई चेकिंग

» स्टेशन परिसर, पार्सल कार्यालय और वाहन स्टैंड पर घंटों चली जांच, यात्रियों से संदिग्ध गतिविधियों की सूचना देने की अपील

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से मंगलवार को कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) द्वारा सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। निरीक्षक कानपुर सेंट्रल के नेतृत्व में हुए इस अभियान में डॉग स्क्वॉड की विशेष टीम भी शामिल रही। अभियान के दौरान स्टेशन परिसर के विभिन्न हिस्सों में गहन तलाशी लेकर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया।

आरपीएफ टीम ने स्टेशन के मुख्य प्रवेश द्वार, प्लेटफॉर्म, पार्सल कार्यालय, पार्किंग क्षेत्र, वाहन स्टैंड तथा चार पहिया वाहनों की बारीकी से जांच की। डॉग स्क्वॉड की मदद से संदिग्ध वस्तुओं और गतिविधियों पर विशेष नजर रखी गई। यात्रियों के सामान की भी सतर्कता के साथ जांच की गई ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना को रोका जा सके।

अभियान के दौरान आरपीएफ अधिकारियों ने यात्रियों को सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए अपील की कि यदि स्टेशन परिसर में कोई लावारिस वस्तु, संदिग्ध व्यक्ति या असामान्य गतिविधि दिखाई दे तो इसकी सूचना तुरंत रेलवे सुरक्षा बल या स्टेशन प्रशासन को दें। अधिकारियों ने कहा कि यात्रियों की सतर्कता भी सुरक्षा व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

चेकिंग अभियान के दौरान किसी प्रकार की आपत्तिजनक वस्तु बरामद नहीं हुई। इसके बावजूद आरपीएफ ने सुरक्षा मानकों में किसी प्रकार की ढिलाई न बरतने की बात कही। अधिकारियों के अनुसार रेलवे स्टेशन देश की महत्वपूर्ण सार्वजनिक जगहों में शामिल हैं, इसलिए यहां नियमित रूप से ऐसे अभियान चलाए जाते रहेंगे।आरपीएफ अधिकारियों ने बताया कि त्योहारों, छुट्टियों और बढ़ती यात्री संख्या को देखते हुए आने वाले दिनों में सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त किया जाएगा, ताकि यात्रियों को सुरक्षित और भरोसेमंद यात्रा वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

सम्पादकीय

जम्मू-कश्मीर में सामूहिक प्रयास मददगार

निस्संदेह, नशे का निरंतर फैलता काला कारोबार एक राष्ट्रीय संकट है। देश के विभिन्न भागों में करोड़ों-अरबों रुपये मूल्य के विदेशों से आने वाले नशीले पदार्थों की बरामदगी भयावह संकट की तसवीर उकेरती है। संगठित विदेशी अपराधियों की साजिशों और देश में फैले नशा तस्करों का गठजोड़, इस नशीले जहर के कारोबार को चला रहा है। आज जरूरत इस बात की है कि देश की तमाम खुफिया एजेंसियां व राज्य के विशेष पुलिस बल योजनाबद्ध ढंग से नशा कारोबारियों की कमर तोड़ें। लेकिन फिर भी कई राज्यों द्वारा चलाये जा रहे नशा विरोधी अभियान बिगड़ते हालात सुधारने में किसी हद तक मददगार साबित हो सकते हैं। पिछले दिनों पंजाब में भी ऐसा अभियान चलाया गया। अब सीमावर्ती जम्मू-कश्मीर में वर्षों से गहराते नशे के संकट के खिलाफ अभियान शुरू किया जा रहा है। सवाल यह है कि राज्य में नशे के कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई शुरू करने में इतना वक्त क्यों लगा? अब भले ही देर से ही सही, यह पहल शुरू करना वक्त की जरूरत है। नशे के नश्तर से हमारी युवा पीढ़ी बर्बाद हो रही है और कई घरों के चिराग असमय बुझ रहे हैं। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, बीस जिलों का दौरा करके सौ दिवसीय नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर मार्च का नेतृत्व कर रहे हैं। वहीं इस अभियान का सुखद पहलू यह है कि दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में, इस कोशिश को प्रतिबंधित संगठन जमाते-ए-इस्लामी के एक गुट का भी समर्थन मिला है। कहना कठिन है कि इस समर्थन का हकीकत में असर कितना होगा। लेकिन इस घोषणा ने सकारात्मक संदेश जरूर दिया है कि समाज के विभिन्न वर्गों के सामूहिक प्रयासों से ही इस भयावह होते संकट का मुकाबला किया जा सकता है। सही मायने में समाज में व्याप्त तमाम वैचारिक मतभेदों को दरकिनार करते हुए, सामूहिक व निरंतर प्रयासों से ही नशा मुक्ति की लड़ाई को अंजाम तक पहुंचाया जा सकता है।वास्तव में नशा विरोधी अभियान के मार्ग में बाधा पैदा करने वाली जटिलताओं के मुकाबले के लिये कुछ दिन, कुछ माह के अभियान के बजाय साल में 365 दिन चलने वाली रणनीति अपनाने की जरूरत है। कभी-कभार चलाए जाने वाले अभियान इसके लक्ष्य को पाने में ज्यादा मददगार साबित नहीं हो सकते। इस संकट के समाधान के लिये नशे की लत के सामाजिक पहलुओं की भी व्यापक पड़ताल जरूरी है। कारगर समाधान हेतु सामाजिक स्तर पर रणनीति बनाने की जरूरत होती है। निस्संदेह, नशे की लत के तमाम कारण हमारे समाज में विद्यमान हैं। जिनके निराकरण की दिशा में भी कदम उठाने की जरूरत है। मसलन इस व्यसन के मूल में समाज में व्याप्त बेरोजगारी, निराशा, सामाजिक व आर्थिक असमानताएं, बुरी संगत का असर तथा मादक पदार्थों की समाज में आसान उपलब्धता आदि कारक निहित हैं। चिंताजनक है कि नशा अब स्कूल-कालेजों तक को अपनी गिरफ्त में ले रहा है। कई राज्यों में नशे की आपूर्ति में बच्चों को इस्तेमाल करने के चिंताजनक उदाहरण सामने आए हैं। वहीं यदि नशा मुक्ति के लिये चलाये जा रहे पुनर्वास कार्यक्रमों में शिथिलता अपनायी जाती है तो सख्ती से हासिल होने वाली उपलब्धियां व्यर्थ हो जाती हैं। यह सत्य है कि नशा एक ऐसा रोग है, जिसका कोई आसान इलाज उपलब्ध नहीं है। जहां एक ओर नशीले पदार्थों की आपूर्ति पर अंकुश लगाना जरूरी है, तो दूसरी ओर इसकी तलब को काबू करने के लिये भी प्रयास जरूरी हैं। दुर्भाग्यपूर्ण है कि नशे की डोज जुटाने के लिये कुछ छात्र व युवा अपराध की राहों में फिसल जाते हैं।

भारतीय भूमि अतिक्रमण मुद्दे पर घिरे बालेन्द्र

क्षमा शर्मा

अब तक नेपाल के किसी भी प्रधानमंत्री ने ऐसा बयान संसद में नहीं दिया था कि भारतीय भूमि को उनके देश ने भी क़ब्ज़ा कर रखा है। बालेन्द्र शाह को अब बताना है, कि नेपाल ने किन-किन जगहों पर भारतीय भूमि का हरण किया है।गत 27 मार्च को पद संभालने के बाद से प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने एक बार भी संघीय संसद को संबोधित नहीं किया था–यहां तक कि अनिवार्य साप्ताहिक प्रश्न-उत्तर सत्रों के दौरान भी नहीं। उनकी चुप्पी तोड़ने और विधायिका के प्रति जवाबदेही दिखाने का दबाव उन पर लगातार बढ़ रहा था।

और फिर रविवार को जब बालेन्द्र शाह संसद में बोले, सभी सन्नाटे में आ चुके थे। उन्होंने अपने आलोचकों को शांत करने के बजाय, मानो डंक मारने वाली मधुमक्खियों का एक झुंड ही छोड़ दिया। जिसे अंग्रेजी में 'पैंडोरा बॉक्स खोलना' कहते हैं।संसद में दो अलग-अलग सवालों का जवाब देते हुए, शाह ने सबसे पहले कहा कि कालापानी, लिम्पियाधुरा और लिपुलेख विवाद को सुलझाने के लिए भारत के साथ प्रयास जारी हैं। लेकिन, फिर उन्होंने यह भी जोड़ा कि न केवल भारत ने नेपाली क्षेत्रों पर अतिक्रमण किया है, बल्कि नेपाल ने भी कई जगहों पर भारत की ज़मीन पर अतिक्रमण किया है। उन्होंने यह भी कहा कि चूंकि भारत के साथ मौजूदा सीमा विवादों में से कई की जड़ें 1816 में ब्रिटिश भारत के साथ हुई सुगौली संधि में हैं, इसलिए उनकी सरकार भारत-नेपाल सीमा चर्चाओं में ब्रिटिश पक्ष को शामिल करने की कोशिश कर रही है।काठमांडू पोस्ट जैसा अखबार भी इस बयान से हैरान था। अगले दिन के सम्पादकीय में अखबार लिखता है– 'सीमा विशेषज्ञों के साथ-साथ उन वरिष्ठ पूर्व सरकारी अधिकारियों के अनुसार, जिन्होंने अपने भारतीय समकक्षों के साथ बातचीत की है, ऐसा कोई आधिकारिक रिकॉर्ड मौजूद नहीं है, जिसमें भारत ने कभी 'नेपाली अतिक्रमण' का मुद्दा उठाया हो। इसलिए, प्रधानमंत्री का यह बयान भविष्य की सीमा वार्ता में भारत के पक्ष को मज़बूत करता है।'कोई राष्ट्रीय अख़बार तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करे, तो यह उभयपक्षीय हितों के लिए अच्छा नहीं है। भारत से यदि भूमि विवाद नहीं होता, तो 'बाउंडरी वर्किंग ग्रुप' का गठन क्यों किया गया? संयुक्त तकनीकी समिति ने लगभग 26 वर्षों तक कार्य किया। यह दावा किया गया कि सीमा संबंधी 97 प्रतिशत समस्याओं का समाधान कर लिया गया। शेष तीन प्रतिशत का समाधान करना उनकी क्षमता से परे था। उसमें कालापानी-लिम्पियाधुरा शामिल है–जो 370 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्रफल के साथ सबसे बड़ा अतिक्रमण है; इसके अलावा 24 किलोमीटर का सुस्ता क्षेत्र और लगभग 15 किलोमीटर क्षेत्रफल वाले अन्य स्थान भी इसमें हैं। कुल मिलाकर, ऐसे लगभग 71 स्थान हैं जो 606 वर्ग किलोमीटर का कुल क्षेत्रफल घेरते हैं। इस स्थिति के बने रहने के पीछे सबसे महत्वपूर्ण कारणों में से एक, सीमांकन के लिए पुराने मानचित्रों और दस्तावेजों की अनुपलब्धता है।काश! काठमांडू पोस्ट ने बुद्धि नारायण श्रेष्ठ की पुस्तक 'द नेचुरल एनवायरनमेंट्स एंड द शिफ्टिंग बॉर्डर्स ऑफ नेपाल' में बर्नार्डो माइकल द्वारा की गई टिप्पणी पर ग़ौर किया होता, 'आज भी, भारत और नेपाल के बीच सीमा विवादों की उपस्थिति यह स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि आधुनिक सीमाओं के निर्धारण की यह परियोजना सदैव एक 'अधूरी परियोजना' ही बनी रहेगी। लिपुलेख-लिम्पियाधुरा ट्राइजंक्शन भारत का है, उसकी पुष्टि 15 मई, 2015 को भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चीन की राजकीय यात्रा के दौरान हुआ व्यापार समझौता है। यह भारत और चीन के बीच एक द्विपक्षीय समझौता था, जिस पर चीनी प्रधानमंत्री ली कछियांग के साथ पीएम मोदी ने हस्ताक्षर किए थे, जिसमें औपचारिक रूप से लिपुलेख दर्रे के माध्यम से सीमा व्यापार पर सहमति बनी थी। 41-सूत्री संयुक्त बयान के बिंदु 28 में लिपुलेख दर्रे (कियांगला) को औपचारिक रूप से एक द्विपक्षीय सीमा व्यापार और तीर्थयात्रा मार्ग के रूप में मान्यता दी गई थी।तब नेपाली कांग्रेस के तत्कालीन प्रधानमंत्री सुशील कोइराला ने कड़ा विरोध जताते हुए कहा, कि भारत और चीन ने उसकी सहमति जताई।

टूटे समाजों में भरोसा लौटाने के लिए सम्मान

अभिलाषा की कहानी केवल एक सैन्य अधिकारी की कहानी नहीं, बल्कि उस नए भारत की कहानी है जहां बेटियां सीमाएं नहीं, संभावनाएं देखती हैं। जहां वर्दी केवल ताकत का प्रतीक नहीं, बल्कि संवेदनशील नेतृत्व और मानवीय मूल्यों का चेहरा भी बन रही है।दुनिया में सैनिकों की पहचान अक्सर युद्ध और सीमाओं से जुड़ी होती है।

लेकिन कुछ सैनिक ऐसे भी होते हैं, जो वर्दी पहनकर केवल सुरक्षा ही नहीं देते, बल्कि भरोसा, संवेदनशीलता और उम्मीद भी बांटते हैं। भारतीय सेना में मेजर अभिलाषा बराक आज ऐसी ही पहचान बन चुकी हैं। संयुक्त राष्ट्र ने उन्हें वर्ष 2025 के प्रतिष्ठित 'यूएन मिलिट्री जेंडर एडवोकेट ऑफ द ईयर अवॉर्ड' के लिए चुना है।लेबनान में संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन के दौरान महिलाओं और किशोरियों के बीच विश्वास निर्माण, संवाद और संवेदनशील नेतृत्व के लिए न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में उन्हें यह पुरस्कार प्रदान किया गया। यह उपलब्धि सिर्फ एक सैन्य अधिकारी की सफलता नहीं है। यह उस भारत की कहानी है, जहां बेटियां अब केवल सपने नहीं देख रहीं, बल्कि दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित मंचों पर देश का प्रतिनिधित्व भी कर रही हैं।अभिलाषा बराक का संबंध हरियाणा के रोहतक से है। उनका बचपन सेना के अनुशासन और देशभक्ति के माहौल में बीता। उनके पिता कर्नल एस. ओम सिंह भारतीय सेना में रहे हैं। परिवार की सैन्य परंपरा ने अभिलाषा के व्यक्तित्व को प्रभावित किया। तभी उनके भीतर देशसेवा केवल एक पेशा नहीं, बल्कि जीवन का लक्ष्य बनती चली गई। हालांकि उनका जन्म तमिलनाडु के वेलिंगटन स्थित सैन्य अस्पताल में हुआ, लेकिन परिवार की जड़ें रोहतक से जुड़ी रहीं।अभिलाषा ने जब भारतीय सेना की पहली महिला कॉम्बैट एविएटर बनकर इतिहास रचा, तब हरियाणा ने उन्हें गर्व के साथ 'रोहतक की बेटी' कहा। उन्होंने दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी से पढ़ाई की और बाद में चेन्नई की

ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी से सैन्य प्रशिक्षण प्राप्त किया।साल 2022 भारतीय सेना के इतिहास में एक अहम मोड़ आया, जब अभिलाषा भारतीय सेना की पहली महिला कॉम्बैट एविएटर बनीं। यह भारतीय सेना के बदलते स्वरूप का प्रतीक भी थी। लंबे समय तक सेना के लड़ाकू और एविएशन विंग को पुरुष प्रधान क्षेत्र माना जाता रहा। महिलाओं की भूमिका सीमित समझी जाती थी। उन्होंने यह साबित किया कि साहस, नेतृत्व और क्षमता का कोई लिंग नहीं होता। उनकी इस उपलब्धि ने देशभर की हजारों लड़कियों को यह संदेश दिया कि अब भारतीय सेना में महिलाओं के लिए कोई 'सीलिंग' नहीं बची है।आज संयुक्त राष्ट्र के शांति मिशन केवल सैन्य कार्रवाई तक सीमित नहीं हैं। उनका उद्देश्य संघर्ष प्रभावित समाज में भरोसा बहाल करना भी है। लेबनान में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल (यूएनआईएफआईएल) के तहत तैनात भारतीय बटालियन में अभिलाषा बराक महिला सहभागिता दल की कमांडर के रूप में कार्यरत हैं। युद्ध प्रभावित इलाकों में महिलाएं और बच्चियां सबसे ज्यादा असुरक्षित होती हैं। ऐसे क्षेत्रों में महिला सैनिकों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है, क्योंकि वे स्थानीय महिलाओं से ज्यादा सहज संवाद स्थापित कर पाती हैं। अभिलाषा बराक ने लेबनान में महिलाओं और किशोरियों के साथ संपर्क कार्यक्रम चलाए, सामुदायिक गतिविधियों में हिस्सा लिया और शांति सैनिकों को लैंगिक संवेदनशीलता का प्रशिक्षण भी दिया। उन्होंने यह दिखाया कि एक सैनिक केवल सुरक्षा का प्रतीक नहीं, बल्कि सामाजिक विश्वास का चेहरा भी हो सकता है। संयुक्त राष्ट्र ने उनके इसी मानवीय नेतृत्व और संवेदनशील कार्यशैली को सम्मानित करने का फैसला किया।मेजर अभिलाषा बराक इस प्रतिष्ठित सम्मान को पाने वाली भारत की तीसरी महिला अधिकारी हैं। उनसे पहले सुमन गुवानी और राधिका सेन भी संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में अपने उल्लेखनीय कार्यों के लिए सम्मानित हो चुकी हैं।वहीं मेजर राधिका सेन ने संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों में महिला सुरक्षा और सामाजिक भरोसा कायम करने की दिशा में अहम कार्य किया। अब अभिलाषा बराक का इस सूची में शामिल होना भारतीय महिला सैन्य नेतृत्व की निरंतर बढ़ती वैश्विक स्वीकार्यता का प्रमाण है।एक समय था जब हरियाणा को बेटियों के प्रति रूढ़ सोच वाले राज्य के रूप में देखा जाता था। लेकिन आज वही हरियाणा खेल, सेना, विज्ञान और प्रशासन में देश को नई पहचान देने वाली बेटियां दे रहा है।

केपीएम अस्पताल पहुंचे डिप्टी सीएम बृजेश पाठक, स्वास्थ्य सेवाओं का लिया जायजा

आशा बहुओं के लंबित मानदेय भुगतान पर सीएमओ को दिए त्वरित कार्रवाई के निर्देश

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक बुधवार को कानपुर पहुंचे। अपने दौरे के दौरान उन्होंने बिरहाना रोड स्थित केपीएम अस्पताल का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की हकीकत परखी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल की ओपीडी, इमरजेंसी वार्ड समेत विभिन्न विभागों का जायजा लिया और वहां उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं की समीक्षा की।

डिप्टी सीएम ने अस्पताल में भर्ती मरीजों और उनके तीमारदारों से सीधे बातचीत कर उपचार व्यवस्था, साफ-सफाई और दवाओं की उपलब्धता की जानकारी ली। उन्होंने अस्पताल प्रशासन को मरीजों को बेहतर इलाज और सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इस दौरान अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) डॉ. अनिल कुमार शुक्ला ने उपमुख्यमंत्री को अस्पताल की व्यवस्थाओं और स्वास्थ्य सेवाओं से

संबंधित जानकारी दी।

निरीक्षण के दौरान जिला अस्पतालों में कार्यरत आशा बहुओं ने उपमुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपकर पिछले चार माह से मानदेय न मिलने की समस्या उठाई। आशा कार्यकर्ताओं ने बताया कि लंबे समय से भुगतान लंबित होने के कारण उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

मामले को गंभीरता से लेते हुए बृजेश पाठक ने मौके पर ही कानपुर के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) से बातचीत की और आशा बहुओं के लंबित मानदेय भुगतान की प्रक्रिया शीघ्र पूरी कराने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि स्वास्थ्य कर्मियों की समस्याओं का समय पर समाधान किया जाए, ताकि स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित न हों।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को मजबूत करने के साथ-साथ स्वास्थ्य कर्मियों के हितों की रक्षा के लिए भी प्रतिबद्ध है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी कर्मचारी की जायज समस्या को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा और सभी शिकायतों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

21 माह बाद अरौल से विदा हुए इंस्पेक्टर जनार्दन यादव

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। अरौल थाने से तबादले के बाद विदा हो रहे प्रभारी निरीक्षक जनार्दन सिंह यादव को बुधवार को भावभीनी विदाई दी गई। थाना परिसर में आयोजित समारोह में पुलिसकर्मियों, जनप्रतिनिधियों, व्यापारियों, पत्रकारों और क्षेत्रवासियों ने उन्हें पुष्पगुच्छ व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

अपने संबोधन में जनार्दन यादव ने सभी के सहयोग के लिए आभार जताते हुए कहा कि यदि उनके कार्यकाल में किसी को कोई कष्ट पहुंचा हो तो उन्हें क्षमा किया जाए। उनके यह कहते ही माहौल भावुक हो गया और कई पुलिसकर्मियों की आंखें नम हो गईं।21 माह के कार्यकाल में जनार्दन यादव ने बेहतर पुलिसिंग के साथ कई चर्चित

➪ क्षेत्रवासियों ने उन्हें पुष्पगुच्छ व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया

मामलों का खुलासा किया। कुख्यात कल्लू डकैत की गिरफ्तारी, चरस तस्करों के नेटवर्क का भंडाफोड़ तथा चोरी, लूट और हत्या के मामलों में त्वरित कार्रवाई उनकी प्रमुख उपलब्धियों में रही। समारोह के दौरान लोगों ने उनके कार्यों की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। गौरतलब है कि जनार्दन सिंह यादव का तबादला कलेक्टरगंज थाने में प्रभारी निरीक्षक पद पर हुआ है।

कानपुर में बदलेगा मौसम का मिजाज, अगले पांच दिन बारिश और ओलावृष्टि के आसार

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

➪ चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय और मौसम विभाग ने किसानों को सतर्क रहने की सलाह दी

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर के कृषि मौसम विज्ञान विभाग ने आगामी दिनों में मौसम के बदलते मिजाज को लेकर चेतावनी जारी की है। ग्रामीण कृषि मौसम सेवा एवं एक्रिपाम योजना के तहत जारी पूर्वानुमान के अनुसार 3 से 5 जून 2026 के बीच कानपुर और आसपास के क्षेत्रों में तेज हवाओं, गरज-चमक तथा ओलावृष्टि के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना जताई गई है।

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार अगले पांच दिनों तक आसमान में मध्यम से घने बादल छाए रहेंगे, जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की जा सकती है। विभाग ने किसानों को फसलों की सुरक्षा के लिए आवश्यक इंतजाम करने की सलाह दी है। विशेष रूप से खुले में रखी कृषि उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखने और खेतों में जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है।

मंगलवार को कानपुर का अधिकतम तापमान 38.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2.5 डिग्री कम रहा। वहीं न्यूनतम तापमान 26.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता 60 प्रतिशत और न्यूनतम 47 प्रतिशत रही। हवा की औसत गति 3.5 किलोमीटर प्रति घंटा दर्ज की गई तथा हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से चली।

कृषि मौसम विभाग के नोडल अधिकारी ने बताया कि बदलते मौसम को देखते हुए किसान खेतों में कीटनाशक या सिंचाई संबंधी कार्य मौसम साफ होने पर ही करें। विभाग लगातार मौसम की निगरानी कर रहा है और आवश्यकता पड़ने पर नया अपडेट जारी किया जाएगा।

बॉलीवुड मेकअप आर्टिस्ट राजू दादा ने दिए लेटेस्ट मेकअप ट्रेंड्स के टिप्स

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। जूही बारादेवी चौराहा स्थित अर्जुन रतन बैंक्वेट हॉल में वन डे मेकअप सेमिनार, ब्राइडल प्रतियोगिता एवं टैलेंट शो का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बॉलीवुड के प्रसिद्ध सेलिब्रिटी मेकअप आर्टिस्ट राजू ओरपे उर्फ राजू दादा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने प्रतिभागियों को फिल्म जगत में इस्तेमाल होने वाले आधुनिक मेकअप ट्रेंड्स, तकनीकों और उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों की जानकारी दी।

राजू दादा ने कहा कि मेकअप केवल चेहरा सजाने का माध्यम नहीं, बल्कि एक कला है, जिसमें धैर्य, रचनात्मकता और समर्पण की जरूरत होती है। उन्होंने 'नेचुरल ब्यूटी' को उभारने पर जोर देते हुए कहा कि मेकअप ऐसा होना चाहिए जो व्यक्ति की वास्तविक सुंदरता को और निखारे। उन्होंने नए मेकअप आर्टिस्टों को लगातार सीखते रहने और अपनी तकनीक को बेहतर बनाने की सलाह दी।

कार्यक्रम में शिक्षा, प्रतिस्पर्धा और मनोरंजन का अनूठा संगम देखने को मिला। ब्राइडल प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने अपनी मेकअप कला का शानदार प्रदर्शन किया। विजेताओं को ट्रॉफी और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया, जबकि सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। सेमिनार में पहुंचे लोगों ने भी मेकअप से जुड़ी कई उपयोगी जानकारियां और टिप्स प्राप्त किए।

आयोजक शिखा सिंह (पूजा) ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य कानपुर की उभरती हुई मेकअप आर्टिस्ट्स को ऐसा मंच देना है, जहां वे बॉलीवुड विशेषज्ञों से सीखकर अपनी प्रतिभा को नई पहचान दे सकें। इस अवसर पर ऋचा ठाकुर, निशा अवस्थी, रीना अस्थाना, अरविंद सिंह, विजय, राहुल ठाकुर, मिलन वाघेला, कुलसुम शेख, अश्विन भ्रमहम, विनीता सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

'आईआईटीयन बाबा' गिरफ्तार, गीता ज्ञान की आड़ में युवतियों के शोषण का आरोप

» खुद को कृष्ण का अवतार बताकर युवतियों को बनाता था 'गोपियां'

» छत्तीसगढ़ की युवती की शिकायत पर मथुरा पुलिस की बड़ी कार्रवाई

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

मथुरा। गीता ज्ञान और आध्यात्मिक प्रवचनों की आड़ में युवतियों को प्रभावित कर उनके कथित शोषण के आरोप में स्वयंभू 'आईआईटीयन बाबा' अभिषेक मिश्रा को मथुरा पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। कार्रवाई छत्तीसगढ़ की एक युवती की शिकायत पर की गई।

पुलिस का कहना है कि मामले की जांच अभी जारी है और आश्रम से जुड़े कई अन्य पहलुओं की भी पड़ताल की जा रही है।पुलिस के अनुसार, अभिषेक मिश्रा खुद को भगवान कृष्ण का अवतार बताता था और युवतियों को अपनी गोपियां कहकर प्रभावित करता था। आरोप है कि वह युवतियों से शारीरिक संबंध बनाने के बाद उसे गंधर्व विवाह का नाम देकर धार्मिक और आध्यात्मिक जामा पहनाने की कोशिश करता था।

एसपी देहात सुरेश चंद्र रावत ने बताया कि अभिषेक मिश्रा मूल रूप से भुवनेश्वर का निवासी है।

उसने वर्ष 2017 से 2021 के बीच आईआईटी रुड़की से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बीटेक की पढ़ाई की थी। पढ़ाई पूरी करने के बाद उसने एक मल्टीनेशनल कंपनी में नौकरी भी की, लेकिन बाद में धार्मिक प्रवचनों और गीता प्रचार की ओर रुख कर लिया।वर्ष 2022 में वह अपनी मां के साथ मथुरा के राधाकुंड क्षेत्र में रहने लगा।

यहां उसने ऑनलाइन गीता ज्ञान और आध्यात्मिक सत्रों के माध्यम से लोगों से संपर्क बढ़ाना शुरू किया। धीरे-धीरे उसने अपना आश्रम और स्थायी ठिकाना विकसित कर लिया।पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि उसके संपर्क में आईआईटी, बीटेक और अन्य उच्च शिक्षित युवक-युवतियां भी आए थे, जो उसके प्रभाव में आकर राधाकुंड पहुंचने लगे थे। पुलिस जब आश्रम पहुंची तो वहां कई युवतियां मौजूद मिलीं, हालांकि कोई भी खुलकर बाबा के खिलाफ बयान देने को तैयार नहीं हुई। फिलहाल पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और आश्रम से जुड़े नेटवर्क व गतिविधियों की भी जानकारी जुटाई जा रही है।

फर्राटा पंखे की केबल बनी काल, करंट लगने से तीन साल के मासूम की मौत

फतेहपुर के असोथर क्षेत्र के बहादुरपुर मजरे रिठवां गांव की घटना, घर में खेलते समय हादसे का शिकार हुआ मासूम

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

फतेहपुर। जिले के असोथर थाना क्षेत्र में करंट लगने से तीन साल के मासूम की दर्दनाक मौत हो गई। घर में खेलते समय बच्चे ने फर्राटा पंखे की केबल पकड़ ली, जिसमें करंट उतर रहा था। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया, जबकि पूरे गांव में शोक का माहौल है।

जानकारी के अनुसार, बहादुरपुर मजरे रिठवां गांव निवासी संदीप कुमार का पुत्र राघवेंद्र सिंह (3) बुधवार सुबह करीब सात बजे घर में खेल रहा था। इसी दौरान उसने कमरे में चल रहे फर्राटा पंखे की केबल पकड़ ली। बताया जा रहा है कि पंखे की तार में करंट प्रवाहित हो रहा था, जिसकी चपेट में आते ही मासूम गंभीर रूप से झुलस गया और जमीन पर गिर पड़ा। बच्चे की चीख सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे और उसे बचाने का प्रयास किया। ग्रामीणों के मुताबिक, परिवार के लोग पहले घरेलू उपचार और झाड़-फूंक में लगे रहे। हालत लगातार बिगड़ती गई, लेकिन उसे तत्काल अस्पताल नहीं ले जाया गया। कुछ ही देर में मासूम ने दम तोड़ दिया।

घटना के बाद मां शांति देवी और पांच वर्षीय बड़े भाई रुद्र प्रताप सिंह का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव के लोग भी इस हादसे से स्तब्ध हैं। ग्रामीणों का कहना है कि थोड़ी सी लापरवाही ने एक मासूम की जिंदगी छीन ली। असोथर थाना प्रभारी रमाशंकर सरोज ने बताया कि घटना की सूचना पुलिस को नहीं दी गई है। उन्होंने कहा कि यदि कोई तहरीर प्राप्त होती है तो मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

हाईकोर्ट के आदेश के बाद मस्जिद ध्वस्त, रात भर चला बुलडोजर

» भारी पुलिस और पीएसी बल की मौजूदगी में कार्रवाई, कहीं से नहीं हुआ विरोध

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

वाराणसी। वाराणसी में नमो घाट के पास प्रस्तावित मॉडल रेलवे स्टेशन परियोजना के लिए मंगलवार देर रात प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए किला कोहना (भदऊं चुंगी) क्षेत्र में स्थित एक अवैध मस्जिद को ध्वस्त कर दिया।

इसके साथ ही मस्जिद से सटी कब्रिस्तान की भूमि पर किए गए अवैध कब्जों को भी हटाया गया। कार्रवाई के बाद रात में ही मलबा साफ करा दिया गया।

यह कार्रवाई उत्तर रेलवे की निर्माण परियोजना से जुड़ी भूमि पर हाईकोर्ट के फैसले के बाद की गई।

काशी रेलवे स्टेशन के जीर्णोद्धार और विस्तार योजना के तहत स्टेशन परिसर और आसपास करीब 47.26 एकड़ क्षेत्र में विकास कार्य प्रस्तावित हैं। इसी भूमि को लेकर रेलवे और स्थानीय पक्षों के बीच विवाद चल रहा था।

मंगलवार रात जिला प्रशासन, रेलवे अधिकारियों और पुलिस की संयुक्त टीम भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मौके पर पहुंची। एडीसीपी काशी जोन वैभव बांगर, एसीपी कोतवाली विजय प्रताप सिंह और इंस्पेक्टर आदमपुर विमल मिश्रा के नेतृत्व में क्षेत्र की घेराबंदी कर कार्रवाई शुरू की गई। एहतियात के तौर पर कई थानों की पुलिस, पीएसी और अर्धसैनिक बलों को भी तैनात किया गया था। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार अभियान पूरी तरह शांतिपूर्ण रहा

और किसी प्रकार का विरोध या तनाव देखने को नहीं मिला। कार्रवाई के बाद अब मॉडल स्टेशन परियोजना से जुड़े निर्माण कार्यों का रास्ता साफ माना जा रहा है।

शिक्षकों, शिक्षामित्रों और रसोइयों को मिलेगी कैशलेस इलाज की सुविधा

» 4 जून को लखनऊ में होगा विशेष प्रशिक्षण, प्रदेश के लाखों परिवारों को मिलेगा लाभ

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के लाखों शिक्षकों, शिक्षामित्रों, अनुदेशकों, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों के कार्मिकों तथा मध्याह्न भोजन योजना से जुड़े रसोइयों के लिए बड़ी राहत की खबर है। प्रदेश सरकार ने इन कर्मचारियों और उनके आश्रित परिवारों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में तैयारियां तेज कर दी हैं। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए बेसिक शिक्षा विभाग ने सभी जिलों को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए हैं।

बेसिक शिक्षा निदेशक (बेसिक) अनिल भूषण चतुर्वेदी द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों तथा परिषद से मान्यता प्राप्त सहायता प्राप्त एवं स्ववित्तपोषित विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक, शिक्षामित्र, विशेष शिक्षक (सीडब्ल्यूसीएन), अनुदेशक, कस्तूरबा

गांधी बालिका विद्यालयों की वार्डन एवं पूर्णकालिक शिक्षिकाएं, प्रधानमंत्री पोषण योजना के रसोइये तथा उनके आश्रित परिवार इस सुविधा के पात्र होंगे। योजना को धरातल पर लागू करने के लिए 4 जून 2026 को शिक्षा निदेशक (बेसिक) कार्यालय, लखनऊ में विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों को तकनीकी एवं प्रशासनिक प्रक्रियाओं की जानकारी दी जाएगी, जिससे पात्र कर्मचारियों तक योजना का लाभ समयबद्ध रूप से पहुंचाया जा सके।निदेशक ने सभी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने जनपदों में योजना के संचालन के लिए एक नोडल अधिकारी नामित करें। संबंधित अधिकारी को आवश्यक अभिलेखों और लैपटॉप के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभाग कराना भी सुनिश्चित किया जाएगा। मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशकों को भी जिलों की सहभागिता सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं।शिक्षा विभाग की इस पहल को शिक्षा कर्मियों के लिए बड़ी सौगात माना जा रहा है। लंबे समय से शिक्षक संगठनों द्वारा स्वास्थ्य सुरक्षा और बेहतर चिकित्सा सुविधाओं की मांग की जा रही थी। कैशलेस चिकित्सा सुविधा लागू होने के बाद कर्मचारियों को इलाज के दौरान तत्काल धन की व्यवस्था करने की परेशानी से राहत मिलने की उम्मीद है।

लाखों परिवारों को मिलेगा सीधा लाभ

प्रदेश भर में कार्यरत लाखों शिक्षक, शिक्षामित्र, अनुदेशक, वार्डन और रसोइये इस योजना से सीधे लाभान्वित होंगे। इसके साथ ही उनके आश्रित परिवारों को भी बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिलेगा। विभागीय अधिकारियों का मानना है कि इस व्यवस्था के लागू होने से शिक्षा कर्मियों की सामाजिक सुरक्षा और स्वास्थ्य संरक्षण को नई मजबूती मिलेगी।

कैबिनेट मंत्री राकेश सचान को जान से मारने की धमकी, पुलिस ने शुरू की जांच

स्थानीय पुलिस के साथ सुरक्षा एजेंसियां भी हुई सतर्क

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री एवं भोगनीपुर विधायक राकेश सचान को जान से मारने की धमकी मिलने की सूचना से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। धमकी की सूचना डायल-112 पर प्राप्त हुई, जिसके बाद पुलिस प्रशासन तत्काल सक्रिय हो गया और मामले की जांच शुरू कर दी गई।

जानकारी के अनुसार, 1 जून को डायल-112 पर तैनात आरक्षी के माध्यम से सूचना मिली कि एक व्यक्ति ने फोन कर मंत्री राकेश सचान को जान से मारने की धमकी दी है।

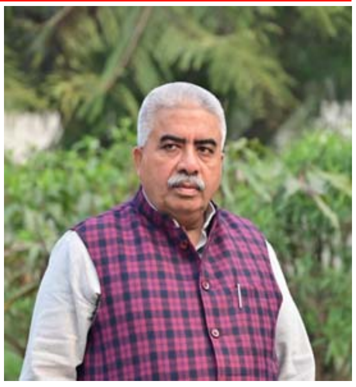

सूचना मिलते ही देवीपुर चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक अतेन्द्र कुमार पुलिस बल के साथ आरोपी की तलाश में जुट गए।

पुलिस ने संबंधित व्यक्ति की पहचान और उसके ठिकाने की जानकारी जुटाने के प्रयास तेज कर दिए हैं। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए स्थानीय पुलिस के साथ-साथ सुरक्षा एजेंसियां भी सतर्क हो गई हैं।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। कॉल की सत्यता, कॉलर की पहचान और धमकी के कारणों का पता लगाया जा रहा है। जांच के निष्कर्षों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। मंत्री को धमकी मिलने की सूचना के बाद क्षेत्र में चर्चा का माहौल है, जबकि पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था पर भी विशेष निगरानी बढ़ा दी है।

चूल्हे की चिंगारी से घर में लगी आग नगदी समेत गृहस्थी का सामान राख

» ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद थाना क्षेत्र की भैसायां ग्राम पंचायत के मजरा पाल नगर में बीती रात चूल्हे की चिंगारी से एक घर में आग लग गई। हादसे में नगदी सहित गृहस्थी का काफी सामान जलकर राख हो गया। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक लाखों रुपये का नुकसान हो चुका था।जानकारी के अनुसार, पाल नगर निवासी ऊदन सिंह पुत्र लज्जाराम पाल का परिवार भीषण गर्मी के कारण घर के बाहर खुले मैदान में सो रहा था। देर रात करीब एक बजे ग्रामीणों ने उनके घर से धुआं और आग की लपटें उठती देखीं, जिससे गांव में अफरा-तफरी मच गई। देखते ही देखते आग ने पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया।

आग लगने से घर में रखी करीब 20 हजार रुपये की नगदी, आठ बोरी गेहूं, लगभग 20 कुंतल भूसा, छप्पर, कपड़े तथा कच्चे मकान की धन्नियां जलकर नष्ट हो गईं। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और सबमर्सिबल, मोटर तथा बाल्टियों की मदद से आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। काफी देर की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। लेखपाल रावेन्द्र कुमार ने बताया कि ग्राम प्रधान संजीव पाल द्वारा घटना की सूचना दी गई थी। मौके पर पहुंचकर क्षति का आकलन कर लिया गया है। नियमानुसार पीड़ित परिवार को सहायता उपलब्ध कराने की कार्रवाई की जाएगी।

नवागत बीएसए आशीष कुमार पाण्डेय ने संभाला कार्यभार, शिक्षकों ने किया स्वागत

» शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाना और शासन की योजनाओं को लागू करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जिले के नवागत बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) आशीष कुमार पाण्डेय ने मंगलवार को कार्यालय पहुंचकर विधिवत कार्यभार ग्रहण किया। पदभार संभालने के बाद उन्होंने विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों से परिचय प्राप्त कर शिक्षा विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं कार्यों की जानकारी ली।

कार्यालय पहुंचने पर खंड शिक्षा अधिकारियों, शिक्षक संगठनों के पदाधिकारियों तथा शिक्षकों ने पुष्पगुच्छ, मालाएं और स्मृति चिह्न भेंट कर उनका जोरदार स्वागत किया। स्वागत समारोह में जिले भर से बड़ी संख्या में शिक्षक और विभागीय कर्मचारी मौजूद रहे। कार्यभार ग्रहण करने के बाद बीएसए आशीष कुमार पाण्डेय ने कहा कि परिषदीय विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाना और शासन की योजनाओं को प्रभावी ढंग से धरातल पर लागू करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। इस अवसर पर लेखाधिकारी आशुतोष त्रिपाठी, खंड शिक्षा अधिकारी मनोज कुमार सिंह (अकबरपुर), अजब सिंह (रसूलाबाद), अजीत प्रताप सिंह (सरवनखेड़ा), अशोक कुमार (राजपुर), शैलेश कुमार (झींझक), ईश्वरकांत (अमरौधा), संजय गुप्ता (मैथा), सपना सिंह (मलासा) और आनंद भूषण (संदलपुर)

सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे। इसके अलावा पूर्व एबीआरसी अरविंद सेंगर, मास्टर ट्रेनर राजेश शर्मा, नवजोत सिंह, प्रदीप तिवारी (प्रदेश महामंत्री, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ), जिलाध्यक्ष मनोज शुक्ला, कार्यकारी अध्यक्ष संत कुमार दीक्षित, अनंत त्रिवेदी, बलराम संखवार, मंजीत गौतम, आदेश अवस्थी, नीतू कटियार समेत सैकड़ों शिक्षकों ने कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यालय के कर्मचारियों ने भी नवागत बीएसए का स्वागत किया। शिक्षकों ने उन्हें बुके, मालाएं और स्मृति चिह्न भेंट कर शुभकामनाएं दीं।

वाटर फ्रीजर से उतरा करंट, दो सगी बहनें झुलसीं

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। नगर पंचायत क्षेत्र के अंबेडकर नगर वार्ड में मंगलवार शाम एक वाटर फ्रीजर में करंट उतरने से दो सगी बहनें झुलस गईं। दोनों को उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत खतरे से बाहर बताई गई है। जानकारी के अनुसार, अंबेडकर नगर में मस्जिद के पास नगर पंचायत की ओर से वाटर फ्रीजर लगाया गया है। मंगलवार शाम रहमत की बेटियां मारिया (8) और महक (7) ठंडा पानी पीने के लिए वहां पहुंचीं। बताया जाता है कि पानी पीते समय मारिया फ्रीजर में उतरे करंट की चपेट में आ गई और चीखते हुए गिर पड़ीं। बहन को तड़पता देख महक उसे बचाने के लिए आगे बढ़ी, लेकिन वह भी करंट की चपेट में आ गई। दोनों बहनें जमीन पर गिर पड़ीं। मौके पर मौजूद लोगों ने किसी तरह दोनों को करंट से अलग किया और परिजनों की मदद से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। नगर पंचायत की अधिशासी अधिकारी नीति त्रिपाठी ने बताया कि वाटर फ्रीजर में करंट आने की सूचना मिली है। मामले की जांच कराई जा रही है।

वरिष्ठ एवं बुजुर्ग जन सम्मान समारोह कल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

रसूलाबाद (कानपुर देहात)। विकास कार्यों एवं सामाजिक गतिविधियों के लिए पहचान रखने वाली ग्राम पंचायत भीतरगांव में गुरुवार 4 जून को वरिष्ठ एवं बुजुर्ग जन सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का नेतृत्व समाजसेवी एवं प्रधान प्रतिनिधि मोनी सिंह ठाकुर कर रहे हैं। मोनी सिंह ठाकुर ने बताया कि भगा निवादा, भीतरगांव में आयोजित होने वाले इस समारोह में ग्राम पंचायत के वरिष्ठ एवं बुजुर्ग नागरिकों को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कंचौसी नगर पंचायत के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह राजू उपस्थित रहेंगे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में शिववीर सिंह भदौरिया तथा अर्जुन सिंह गौर समारोह में शिरकत करेंगे।

डीएम, सीडीओ की सख्ती से हुआ वर्षों से लंबित भुगतान

स्वराज इंडिया

08 www.swarajindianews.com कानपुर देहात स्वराज इंडिया

विकास भवन पहुंचा युवक

आत्मदाह की चेतावनी से मचा हड़कंप

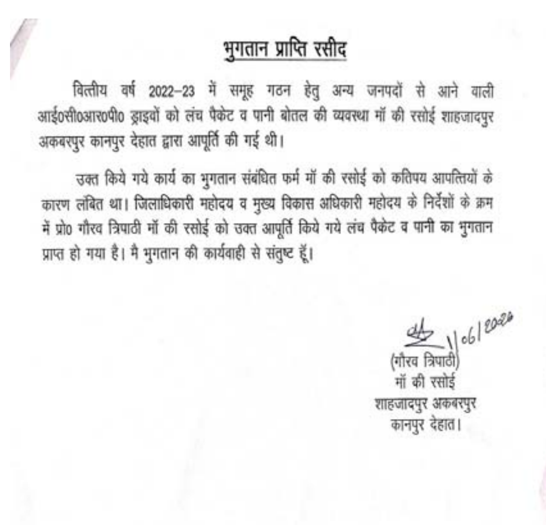

भुगतान प्राप्ति रसीद

वित्तीय वर्ष 2022-23 में समूह गठन हेतु अन्य जनपदों से आने वाली आई0सी0आर0पी0 ड्राइवों को लंच पैकेट व पानी बोतल की व्यवस्था माँ की रसोई शाहजादपुर अकबरपुर कानपुर देहात द्वारा आपूर्ति की गई थी।

उक्त किये गये कार्य का भुगतान संबंधित फर्म माँ की रसोई को कतिपय आपत्तियों के कारण लंबित था। जिलाधिकारी महोदय व मुख्य विकास अधिकारी महोदय के निर्देशों के क्रम में प्रो0 गौरव त्रिपाठी माँ की रसोई को उक्त आपूर्ति किये गये लंच पैकेट व पानी का भुगतान प्राप्त हो गया है। मै भुगतान की कार्यवाही से संतुष्ट हूँ।

1/06/2026
(गौरव त्रिपाठी)
माँ की रसोई
शाहजादपुर अकबरपुर
कानपुर देहात।

आपूर्ति कार्य पूरा होने के बावजूद कुछ आपत्तियों के कारण फर्म का भुगतान अटका था

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाने वाले स्वराज इंडिया की खबर का बड़ा असर देखने को मिला है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में समूह गठन कार्यक्रम के दौरान लंच पैकेट एवं पानी की आपूर्ति करने वाली फर्म ÷मां की रसोई÷ का लंबे समय से लंबित भुगतान आखिरकार जारी कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार, आपूर्ति कार्य पूरा होने के बावजूद कुछ आपत्तियों के कारण फर्म का भुगतान अटका हुआ था।

मामला लंबे समय तक विभागीय स्तर पर लंबित रहा, जिससे फर्म संचालक को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। इस मुद्दे को स्वराज इंडिया ने प्रमुखता से प्रकाशित किया, जिसके बाद प्रशासन हरकत में आया।

जिलाधिकारी कपिल सिंह एवं मुख्य विकास अधिकारी विधान जायसवाल ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

प्रशासनिक स्तर पर समीक्षा के बाद लंबित भुगतान की प्रक्रिया पूरी कराई गई और फर्म को उसका बकाया भुगतान उपलब्ध करा दिया गया।

भुगतान प्राप्त होने के बाद फर्म संचालक गौरव त्रिपाठी ने लिखित रूप से इसकी पुष्टि की है। उन्होंने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि लंच पैकेट और पानी की आपूर्ति के संबंध में उनका भुगतान प्राप्त हो गया है तथा वे भुगतान प्रक्रिया से संतुष्ट हैं।

हलचल खबर का असर

स्थानीय स्तर पर इस कार्रवाई को प्रशासन की जवाबदेही और मीडिया की प्रभावी भूमिका के रूप में देखा जा रहा है। लोगों का कहना है कि यदि जनहित के मामलों को इसी तरह गंभीरता से लिया जाए तो वर्षों से लंबित कई समस्याओं का समाधान संभव है।

रसूलाबाद में चुनावी बिसात बिछनी शुरू

भाजपा में टिकट के लिए बढ़ी दावेदारी !

कन्नौज लोकसभा से जुड़ी है रसूलाबाद विधानसभा, यहां पिछले एक दशक से कमल खिल रहा है

» स्वराज इंडिया संवाददाता

रसूलाबाद, कानपुर देहात। पंचायत चुनाव टलने के बाद अब प्रदेश की राजनीति का फोकस आगामी विधानसभा चुनाव पर केंद्रित होने लगा है। कानपुर देहात की रसूलाबाद विधानसभा सीट पर भी राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। विभिन्न दलों के संभावित प्रत्याशी जनता के बीच पहुंचकर अपनी मौजूदगी दर्ज कराने में जुट गए हैं, जबकि भाजपा में टिकट को लेकर कई चेहरे सक्रिय दिखाई दे रहे हैं।

वर्ष 2012 के परिसीमन के बाद अस्तित्व में आई रसूलाबाद विधानसभा सीट प्रदेश की चर्चित सीटों में शुमार रही है। इससे पहले यह क्षेत्र डेरापुर और बिल्हौर विधानसभा क्षेत्रों में विभाजित था। वर्तमान में झींझक नगर पालिका, कंचौसी नगर पंचायत और रसूलाबाद नगर पंचायत इस विधानसभा क्षेत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, जिनकी राजनीतिक दिशा अक्सर चुनावी परिणामों को प्रभावित करती रही है।

रसूलाबाद विधानसभा सीट पर पिछले दो चुनावों से भाजपा का कब्जा रहा है। खास बात यह है कि दोनों चुनावों में पार्टी ने उम्मीदवार बदलने की रणनीति अपनाई और उसे सफलता भी मिली। यही कारण है कि आगामी चुनाव को लेकर भाजपा में एक दर्जन से अधिक संभावित दावेदारों की चर्चा राजनीतिक गलियारों में चल रही है। सभी दावेदार संगठन और जनता के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने के प्रयास में जुटे हैं। इसी क्रम में रसूलाबाद नगर पंचायत अध्यक्ष देवशरण कमल का नाम भी प्रमुखता से लिया जा रहा है। ग्राम पंचायत स्तर से अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू करने वाले देवशरण कमल ने वर्ष 2023 के नगर निकाय चुनाव में भाजपा समर्थित प्रत्याशी के रूप में उल्लेखनीय जीत दर्ज की थी। स्थानीय राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि नगर पंचायत अध्यक्ष के रूप में उनकी सक्रियता और संगठन में लंबे समय से जुड़ाव उन्हें संभावित दावेदारों की सूची में महत्वपूर्ण स्थान दिलाता है।

क्षेत्रीय राजनीति पर नजर रखने वालों का कहना है कि इस बार रसूलाबाद विधानसभा का चुनाव पहले की अपेक्षा अधिक प्रतिस्पर्धी हो सकता है। विपक्षी दल भी मजबूत उम्मीदवार की तलाश में जुटे हैं और सामाजिक समीकरणों के आधार पर रणनीति तैयार कर रहे हैं। ऐसे में भाजपा के सामने सीट बरकरार रखने की चुनौती होगी, वहीं टिकट के दावेदारों के लिए संगठन और जनता दोनों का विश्वास हासिल करना जरूरी होगा।

देवशरण कमल भाजपा नेता

हालांकि प्रत्याशियों के चयन को लेकर अंतिम निर्णय पार्टी नेतृत्व के हाथ में होगा, लेकिन चुनावी बयार के बीच रसूलाबाद विधानसभा क्षेत्र में राजनीतिक गतिविधियां लगातार गति पकड़ रही हैं। आने वाले महीनों में यह सीट कानपुर देहात की सबसे चर्चित राजनीतिक सीटों में शामिल रह सकती है।

ईंट भट्ठा मजदूर की बिगड़ी तबीयत, जिला अस्पताल रेफर

» स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर देहात। भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के हारामऊ गांव के पास संचालित ईंट भट्ठे पर कार्यरत सहदेव (48) सुबह मजदूरी का कार्य कर रहे थे। इसी दौरान उनकी अचानक तबीयत खराब हो गई और वह अर्धबेहोशी की स्थिति में पहुंच गए। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों ने एंबुलेंस को सूचना दी। एंबुलेंस ने सहदेव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। सीएचसी में ड्यूटी पर तैनात डॉ. अनूप सचान ने उनका प्राथमिक उपचार किया। हालत में अपेक्षित सुधार न होने और गंभीरता को देखते हुए चिकित्सक ने उन्हें बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। भट्ठा संचालक जगदेव ने बताया कि मजदूरी के दौरान अचानक सहदेव की तबीयत बिगड़ गई थी।

आंधी में उखड़ा नीम का पेड़, चपेट में आने से किशोर की मौत

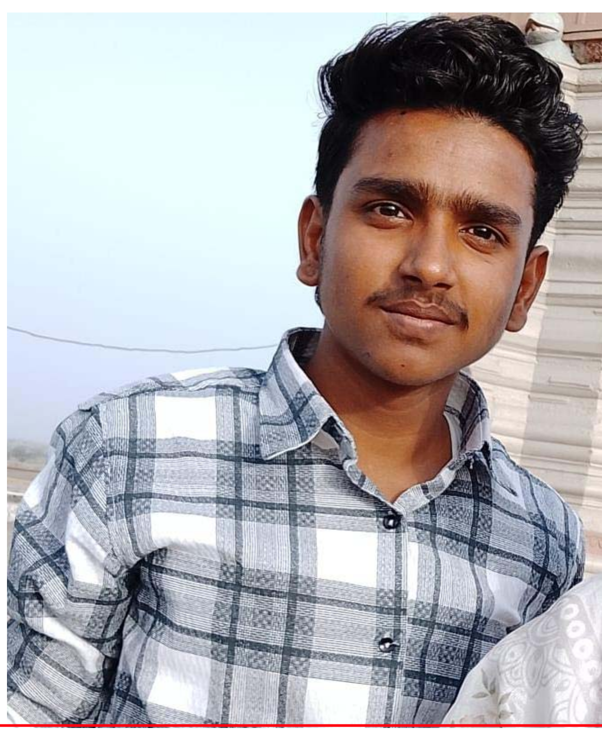

साथ में खड़ा किशोर भी हुआ घायल, अस्पताल में भर्ती

» स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर देहात। करियापुर गांव में मंगलवार शाम आई तेज आंधी एक परिवार के लिए जिंदगी भर का दर्द दे गई। गांव के बाहर खेल रहे दो किशोर अचानक जड़ से उखड़े नीम के पेड़ की चपेट में आ गए। हादसे में एक किशोर की मौत हो गई, जबकि उसका दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है।करियापुर निवासी 14 वर्षीय प्रशांत शर्मा पुत्र अखिलेश कुमार अपने दोस्त 13 वर्षीय प्रांशु पुत्र राम अवतार और अन्य साथियों के साथ गांव के बाहर मैदान में खेल रहा था। इसी दौरान तेज आंधी और बारिश शुरू हो गई। मौसम खराब होते ही बच्चे इधर-उधर भागने लगे। बताया जाता है कि प्रशांत और प्रांशु पास में खड़े एक पुराने नीम के पेड़ के नीचे जाकर खड़े हो गए।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुछ ही क्षण बाद तेज आवाज के साथ नीम का पेड़ जड़ से उखड़कर दोनों किशोरों पर गिर पड़ा। हादसा देख आसपास मौजूद लोग मौके की ओर दौड़े। परिजन भी पहुंच गए और ग्रामीणों की मदद से दोनों को पेड़ के नीचे से बाहर निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। सीएचसी में ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ. अनूप सचान ने जांच के बाद प्रशांत को मृत घोषित कर दिया। वहीं गंभीर रूप से घायल प्रांशु को प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। प्रशांत ने हाल ही में कक्षा नौ की परीक्षा उत्तीर्ण कर कक्षा 10 में प्रवेश लिया था। उसकी मौत की खबर मिलते ही पूरे परिवार का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। गांव में भी शोक की लहर दौड़ गई। अमरौधा चौकी प्रभारी अमित पोरवाल ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

ज्येष्ठ माह के पांचवें मंगलवार पर पुखरायां मंडी में विशाल भंडारा

धार्मिक वातावरण के बीच आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। ज्येष्ठ माह के पावन अवसर पर पांचवें मंगलवार को तहसील भोगनीपुर स्थित पुखरायां मंडी परिसर में श्रद्धा, आस्था और सेवा भाव के साथ विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। धार्मिक वातावरण के बीच आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर भगवान श्री हनुमान जी का आशीर्वाद प्राप्त किया तथा प्रसाद ग्रहण किया।भंडारे का आयोजन खाद्य एवं रसद विभाग से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सहयोग से संपन्न हुआ। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विपणन अधिकारी दीपक सिंह तोमर एवं वरिष्ठ विपणन निरीक्षक राजीव कुमार सिंह की अगुवाई में श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। आयोजन स्थल पर दिनभर श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही और भक्तिभाव का माहौल देखने को मिला।

इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने कहा कि ऐसे धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन समाज में आपसी प्रेम, सद्भाव और एकता को मजबूत करने का कार्य करते हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में सोनू, शिवम ठाकुर (मलासा), चंद्रभान फौजी, हजपाल, सुमित, रामू, मोहित सहित अन्य सहयोगियों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

आयोजकों ने सभी सहयोगियों एवं श्रद्धालुओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनसहयोग और सेवा भावना से ही

ऐसे पुण्य कार्य सफल हो पाते हैं। धार्मिक आस्था और सामाजिक समरसता का संदेश देने वाला यह आयोजन क्षेत्र में चर्चा का विषय बना रहा तथा श्रद्धालुओं ने इसे एक यादगार और सफल आयोजन बताया।

एक ही परिवार के चार लोगों की निर्मम हत्या से दहला प्रयागराज

'बंटी-बबली, बहू ने मारा' लिखे गत्ते ने उलझाई जांच, संपत्ति विवाद और पारिवारिक रंजिश के एंगल पर फोकस

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज स्थित साउथ मलाका इलाके में एक ही परिवार के चार लोगों की निर्मम हत्या से पूरे शहर में सनसनी फैल गई। सब्जी मंडी चौराहा क्षेत्र में कारोबारी परिवार के चार सदस्यों के शव घर के भीतर खून से लथपथ हालत में मिलने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। शुरुआती जांच में यह मामला योजनाबद्ध सामूहिक हत्या का माना जा रहा है, जबकि घटनास्थल से मिले एक रहस्यमयी गत्ते ने पूरे केस को और पेचीदा बना दिया है।

मृतकों की पहचान कारोबारी वीरेंद्र कुमार वैश्य (70), उनकी पत्नी अनीता वैश्य (65), बेटी मीनाक्षी वैश्य (45) और बड़े बेटे अभिषेक वैश्य (40) के रूप में हुई है। चारों के सिर पर किसी भारी वस्तु से वार किए जाने के गहरे निशान मिले हैं। पुलिस का अनुमान है कि हत्या एक-दो दिन पहले की गई होगी।घटना का खुलासा तब हुआ जब बंद मकान से तेज दुर्गंध आने लगी। पड़ोसियों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। कोतवाली पुलिस ने जब ताला तोड़कर घर के भीतर प्रवेश किया तो अलग-अलग कमरों में शव पड़े मिले। फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड को तत्काल मौके पर बुलाया गया। सबसे चौंकाने वाला तथ्य शवों के पास मिला एक गत्ता है, जिस पर हाथ से लिखा था– ÷बंटी-बबली, बहू ने मारा है।÷ इस नोट ने पुलिस जांच को कई दिशाओं में मोड़ दिया है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि यह संदेश असली सुराग है या फिर जांच को भ्रमित करने की साजिश।

गत्ते पर लिखा बंटी-बबली ने मारा

गत्ते पर लिखी लिखावट का मिलान कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

जांच में संपत्ति विवाद का एंगल सबसे मजबूत माना जा रहा है। जानकारी के अनुसार, वीरेंद्र कुमार ने करीब 15 वर्ष पहले छोटे बेटे अश्विनी को अपनी चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया था। अश्विनी फिलहाल कौशांबी जेल में बंद है, जबकि उसकी पत्नी रितु के खिलाफ भी कई आपराधिक मुकदमे दर्ज बताए जा रहे हैं। पुलिस अब जेल में बंद बेटे के संपर्कों, कॉल डिटेल्स और बहू की गतिविधियों की जांच कर रही है। इसके अलावा हाल ही में बेची गई तीन दुकानों, पारिवारिक आर्थिक लेनदेन और किराएदारों से भी पूछताछ चल रही है। घर के आसपास लगे सात सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। इनमें दो कैमरे सीधे मुख्य द्वार की ओर केंद्रित बताए जा रहे हैं। पुलिस का मानना है कि फुटेज से वारदात की अहम कड़ियां सामने आ सकती हैं।

> पोस्टमार्टम रिपोर्ट, फॉरेंसिक साक्ष्य और फिंगरप्रिंट रिपोर्ट मिलने के बाद हत्या की गुत्थी जल्द सुलझा ली जाएगी। फिलहाल पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीमें हर संभावित एंगल पर गहन जांच कर रही हैं।
>
> \- **रवि गुप्ता, एसीपी कोतवाली**

गत्ते पर लिखे संदेश ने क्यों बढ़ाई उलझन?

- घटनास्थल पर मिला संदेश जांच का सबसे बड़ा रहस्य बन गया है।
- पुलिस मान रही है कि यह असली सुराग भी हो सकता है और भटकाने की साजिश भी।
- लिखावट की फॉरेंसिक जांच से यह स्पष्ट होगा कि नोट किसने लिखा।
- बंटी-बबली नामों का परिवार या परिचितों से संबंध खंगाला जा रहा है।

संपत्ति विवाद बना हत्या का संभावित कारण

- करोड़ों रुपये की पैतृक संपत्ति को लेकर पुराने विवाद की चर्चा।
- छोटे बेटे को वर्षों पहले संपत्ति से बेदखल किया गया था।
- हाल में तीन दुकानों की बिक्री भी जांच के घेरे में।
- पुलिस आर्थिक लेनदेन और पारिवारिक तनाव की फाइलें खंगाल रही है।

सीसीटीवी और फॉरेंसिक पर टिकी जांच

- घर के आसपास लगे सात कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।
- पुलिस संदिग्ध गतिविधियों की टाइमलाइन तैयार कर रही है।
- फिंगरप्रिंट, ब्लड सैंपल और डिजिटल साक्ष्य जुटाए गए हैं।
- पोस्टमार्टम रिपोर्ट से हत्या के समय और हथियार का खुलासा संभव।

यूपी को मिलेगी नई रफ्तार गाजियाबाद से बलिया तक सफर होगा आसान

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। गाजियाबाद से पूर्वांचल के गाजीपुर-बलिया तक निर्बाध सफर का रास्ता अब साफ होता नजर आ रहा है। लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे को पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से जोड़ने वाले प्रस्तावित लिंक एक्सप्रेसवे के लिए मंगलवार को करीब तीन हजार किसानों ने अपनी जमीन देने पर सहमति जताई, जिससे लंबे समय से अटकी परियोजना को नई गति मिल गई है।पिछले वर्ष घोषित इस लिंक एक्सप्रेसवे परियोजना के लिए करीब चार हजार किसानों की भूमि अधिग्रहित की जानी है।

इसमें लखनऊ के 16 और उन्नाव के 27 गांव शामिल हैं। किसानों की सहमति मिलने के बाद भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया तेज हो गई है। वहीं, प्रदेशवासियों को जल्द ही लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे की सौगात भी मिलने वाली है।

करीब 4700 करोड़ रुपये की लागत से तैयार 63 किलोमीटर लंबे इस एक्सप्रेसवे का लोकार्पण जल्द होने की उम्मीद है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कानपुर-कबरई ग्रीनफील्ड हाईवे और बाराबंकी-बहराइच फोरलेन हाईवे परियोजनाओं का भी शिलान्यास कर सकते हैं।

WALK-IN INTERVIEW – AYURVEDIC DOCTOR

Jeevan Jyoti Hospital, NTPC Unchahar invites applications for engagement of **Ayurvedic Doctor (Visiting Basis).**

QUALIFICATION: BAMS with minimum 5 years' experience after internship.

ENGAGEMENT: 02 visits/week

HONORARIUM: **₹4,300** per visit

WALK-IN INTERVIEW: 08.06.2026 at 09:00 AM

PLEASE BRING
- Updated CV
- Original Testimonials
- Experience Certificates
- One Set of Self-Attested Photocopies

VENUE: Jeevan Jyoti Hospital, NTPC Unchahar, Raebareli (U.P.)

NTPC reserves the right to accept/reject any application without assigning any reason.

नियमित वेतन छोड़ अवशेष भुगतान का खेल!

माध्यमिक शिक्षा विभाग में करोड़ों के भुगतान पर उठे सवाल, डीआईओएस बोले- नियम की जानकारी नहीं थी

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। माध्यमिक शिक्षा विभाग में भुगतान प्रक्रिया को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। आरोप है कि शासन के स्पष्ट निर्देशों की अनदेखी करते हुए नियमित वेतन का भुगतान करने के बजाय पहले अवशेष देयकों का भुगतान कर दिया गया। इसके चलते जिले के कई सहायता प्राप्त माध्यमिक और संस्कृत विद्यालयों के शिक्षकों एवं

कर्मचारियों का नियमित वेतन समय पर नहीं मिल सका।

जानकारी के अनुसार वित्त नियंत्रक (माध्यमिक शिक्षा) द्वारा जारी निर्देशों में पहले नियमित वेतन और उसके बाद अवशेष भुगतान की व्यवस्था निर्धारित है। इसके बावजूद अवशेष भुगतान को प्राथमिकता दिए जाने से विभाग की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में आ गई है।मामले पर जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. पवन कुमार तिवारी ने कहा कि उन्हें इस नियम की जानकारी नहीं थी कि पहले नियमित वेतन का भुगतान किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि वित्त एवं लेखाधिकारी की ओर से कोई आपत्ति दर्ज नहीं कराई गई। वहीं वित्त एवं लेखाधिकारी अनुपम ने भुगतान की प्राथमिकता तय करने की जिम्मेदारी डीआईओएस कार्यालय की बताई है।सूत्रों के अनुसार जिले के दर्जनों विद्यालयों का वेतन भुगतान अभी लंबित है। कथित लेन-देन के आरोप भी चर्चा में हैं। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। अब सवाल यह है कि यदि शासन की निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं हुआ तो इसकी जिम्मेदारी किसकी तय होगी? शिक्षकों में नाराजगी है और वे पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं।

वीआईपी रूट पर अवैध गैस का कारोबार!

एक बार कार्रवाई के बाद फिर शुरू हुआ सिलेंडर का खेल, जिम्मेदार खामोश

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या।रानोपाली चौकी क्षेत्र के चूड़ामणि (मोहबरा) चौराहे पर अवैध गैस सिलेंडर बिक्री का मामला एक बार फिर चर्चा में है। आरोप है कि ऊषा होमस्टे के बगल स्थित मार्ग पर खुलेआम घरेलू गैस सिलेंडरों का अवैध कारोबार किया जा रहा है, जबकि यह क्षेत्र अत्यंत संवेदनशील माना जाता है।

स्थानीय लोगों के अनुसार इस मार्ग से प्रतिदिन हजारों लोगों का आवागमन होता है। इतना ही नहीं, वीआईपी मूवमेंट भी लगातार बना रहता है। इसके बावजूद कथित रूप से गैस सिलेंडरों की बिक्री और भंडारण का कार्य खुलेआम जारी है। बताया जा रहा है कि पूर्व में इस मामले में कार्रवाई भी हुई थी, लेकिन कुछ समय बाद फिर वही कारोबार शुरू हो गया। इससे स्थानीय लोगों में सवाल उठ रहे हैं कि आखिर कार्रवाई के बावजूद अवैध कारोबार दोबारा कैसे शुरू हो गया?

गैस सिलेंडरों का अनधिकृत भंडारण और बिक्री किसी भी समय बड़े हादसे का कारण बन सकती है। घनी आबादी और व्यस्त मार्ग पर संचालित ऐसे कारोबार से लोगों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ रही है।

अब सवाल यह है कि संबंधित विभाग और स्थानीय प्रशासन इस मामले की जांच कर क्या कार्रवाई करते हैं। यदि आरोप सही हैं तो यह केवल नियमों का उल्लंघन नहीं, बल्कि सार्वजनिक सुरक्षा से जुड़ा गंभीर मामला भी है। स्थानीय लोगों ने जांच कर आवश्यक कार्रवाई की मांग की है।

स्वच्छता की लड़ाई या फिर ठेके की सियासत!

» ओम स्वच्छता कंपनी को ब्लैकलिस्ट कराने की मांग के पीछे दूसरी फर्म को लाभ पहुंचाने की चर्चा तेज

» धरना, नोटिस और अंदरखाने की खींचतान, नगर निगम में सफाई से ज्यादा ठेके की चर्चा

स्वराज इंडिया | अयोध्या | www.swarajindianews.com | कानपुर- मंगलवार, 2 जून 2026 | 11

रामनगरी में सफाई या करोड़ों का 'खेल'?

पार्षदों के धरने ने खोली परतें, नगर निगम ने दिए जांच के आदेश

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या।रामनगरी की सफाई व्यवस्था पर अब गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। नगर निगम के जोनल कार्यालय पर कई पार्षदों के धरने के बाद जो आरोप सामने आए हैं, उन्होंने स्वच्छता व्यवस्था की हकीकत पर बड़ा प्रश्नचिह्न लगा दिया है। मामला इतना गंभीर हो गया कि नगर निगम को जांच के आदेश जारी करने पड़े।पार्षदों के धरने ने खोली सफाई व्यवस्था की पोल

अशोक सिंघल नगर वार्ड के पार्षद अंकित त्रिपाठी समेत कई पार्षदों ने संबंधित फर्म को ब्लैकलिस्ट करने की मांग उठाई है। आरोप है कि डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन

रामपथ की सफाई पर उठे करोड़ों के सवाल

सबसे बड़ा आरोप रामपथ को लेकर है। पार्षदों का कहना है कि लगभग 15 किलोमीटर लंबे मार्ग की सफाई के बजाय 28 किलोमीटर की सफाई दर्शाकर भुगतान लिया जा रहा है। वहीं स्वीपिंग मशीनों के बंद रहने के बावजूद बिलों का भुगतान होने की चर्चा ने मामले को और संदिग्ध बना दिया है। सवाल यह है कि जब मशीनें बंद हैं, कर्मचारी कम हैं और सफाई व्यवस्था सवालों के घेरे में है, तो आखिर भुगतान किस काम का हो रहा है?

व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है। सफाई कर्मचारी नियमित रूप से काम नहीं कर रहे, कूड़ा ढोने वाले ठेले और डस्टबिन क्षतिग्रस्त पड़े हैं, जबकि भुगतान लगातार जारी है।पार्षदों का दावा है कि स्वच्छ भारत मिशन के मानकों के अनुसार जितने कर्मचारियों की तैनाती होनी चाहिए, उतने कर्मचारी मैदान में दिखाई ही नहीं देते। इसके बावजूद कागजों में सब कुछ दुरुस्त दिखाया जा रहा है।

नगर निगम ने दिए जांच के आदेश

अब निगाहें रिपोर्ट परधरने और बढ़ते दबाव के बाद नगर निगम प्रशासन ने पूरे मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं। हालांकि शहर में चर्चा इस बात की है कि जांच केवल औपचारिकता साबित होगी या फिर सफाई व्यवस्था के नाम पर चल रहे कथित खेल की असल तस्वीर सामने आएगी। पार्षदों ने साफ चेतावनी दी है कि यदि एक सप्ताह में ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो नगर निगम मुख्यालय पर ताला बंदी और बड़ा आंदोलन किया जाएगा। रामनगरी में अब सवाल सिर्फ कूड़े का नहीं है। सवाल यह है कि कहीं सफाई के नाम पर जनता के पैसे की सफाई तो नहीं हो रही? जांच रिपोर्ट इसका जवाब दे सकती है, बशर्ते जांच कागजों से निकलकर हकीकत तक पहुंचे।

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

FOLLOW UP

अयोध्या। नगर निगम की स्वच्छता व्यवस्था को लेकर अयोध्या जोन कार्यालय पर भाजपा पार्षदों का धरना अब नए सवालों के घेरे में आ गया है। ओम स्वच्छता कंपनी को काली सूची में डालने की मांग के बीच नगर निगम के गलियारों में चर्चा है कि मामला केवल सफाई व्यवस्था तक सीमित नहीं, बल्कि दूसरी फर्म को काम दिलाने की रणनीति का हिस्सा भी हो सकता है।

धरने के बाद नगर निगम प्रशासन हरकत में आया और ओम स्वच्छता कंपनी को दो दिन के भीतर जवाब देने का नोटिस जारी कर दिया गया। अपर नगर आयुक्त भारत कुमार ने प्रदर्शनकारियों को कार्रवाई का आश्वासन भी दिया। लेकिन इसी बीच कुछ पार्षदों के बीच उठी चर्चाओं ने पूरे घटनाक्रम को नया मोड़ दे दिया है।नाम न प्रकाशित करने की शर्त पर एक पार्षद ने दावा किया कि फैजाबाद क्षेत्र में कार्यरत एक अन्य सफाई फर्म को अयोध्या क्षेत्र में काम दिलाने के लिए माहौल बनाया जा रहा है। आरोप यह भी है कि मौजूदा कंपनी को हटाने के लिए राजनीतिक और प्रशासनिक दबाव का वातावरण तैयार किया जा रहा है। धरने में शामिल भाजपा पार्षद अनुज दास की भूमिका भी चर्चा का विषय बनी हुई है। निगम सूत्रों के अनुसार कंपनी के खिलाफ दिए गए ज्ञापन पर उनके हस्ताक्षर नहीं हैं, जबकि वे धरना स्थल पर मौजूद रहे।

अब सवाल यह है कि यह आंदोलन वास्तव में स्वच्छता सुधार के लिए है या फिर नगर निगम में चल रही ठेकेदारी की नई जंग का हिस्सा?फिलहाल निगाहें ओम स्वच्छता कंपनी के जवाब और नगर निगम की अगली कार्रवाई पर टिकी हैं।

बड़ा मंगल पर सेवा का संगम, भंडारे में उमड़ी भीड़

» आलोक कुमार सिंह बोले- सेवा और परोपकार ही समाज को जोड़ने की सबसे बड़ी शक्ति

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। ज्येष्ठ माह के पावन अवसर पर पांचवें बड़े मंगल के दिन मंगला श्रृंगार आरती सेवा समिति की ओर से विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ हनुमानगढ़ी के महंत संजय दास ने किया। भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर भगवान हनुमान का आशीर्वाद प्राप्त किया।

महंत संजय दास ने कहा कि बड़े मंगल की परंपरा श्रद्धा, सेवा और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। इस आयोजन में क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की। श्रद्धालुओं को पूड़ी, सब्जी और चावल का प्रसाद वितरित किया गया। भीषण गर्मी को देखते हुए राहगीरों के लिए शरबत और शीतल पेयजल की भी व्यवस्था की गई।भाजपा नेता एवं अधिवक्ता आलोक कुमार सिंह ने कहा कि बड़े मंगल अयोध्या की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। ऐसे आयोजन समाज में भाईचारे, सहयोग और एकता की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि जनसेवा और जरूरतमंदों की सहायता ही उनके जीवन का प्रमुख उद्देश्य है।समिति के अध्यक्ष महेश तिवारी एवं संरक्षक हनुमान प्रसाद पाण्डेय ने बताया कि आयोजन को सफल बनाने में कार्यकर्ताओं और स्थानीय युवाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस अवसर पर अमन त्रिपाठी, सुभाष दास, आदित्य प्रताप सिंह, उमेश सिंह और रमेश पांडे सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सियालदह एक्सप्रेस की छत पर चढ़ा सिरफिरा युवक

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। अयोध्या रेलवे स्टेशन पर उस समय अफरा-तफरी मच गई जब सियालदह-जम्मूतवी एक्सप्रेस की बोगी के ऊपर एक युवक चढ़ गया और हाईटेंशन विद्युत तारों के बीच दौड़ता दिखाई दिया। युवक की इस खतरनाक हरकत से यात्रियों में दहशत फैल गई और स्टेशन पर मौजूद लोग उसे नीचे उतारने का प्रयास करने लगे।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार युवक काफी देर तक ट्रेन की छत पर इधर-उधर घूमता रहा। स्थिति की सूचना मिलते ही जीआरपी और आरपीएफ की टीम मौके पर पहुंची और सतर्कता के साथ रेस्क्यू अभियान चलाया। पुलिसकर्मियों की तत्परता से युवक को सकुशल नीचे उतार लिया गया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।बताया जा रहा है कि युवक अयोध्या के हनुमानगढ़ी क्षेत्र के आसपास का निवासी है।

खाड़ी में युद्ध की आहट तेज, कुवैत ने हवा में मार गिराए मिसाइल और ड्रोन

कुवैत में गूंजे धमाके, एयर डिफेंस हाई अलर्ट पर, नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह

स्वराज इंडिया न्यूज डेस्क

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते टकराव ने अब पूरे खाड़ी क्षेत्र को गंभीर तनाव की स्थिति में पहुंचा दिया है। बुधवार को कुवैत के कई इलाकों में तेज धमाकों की आवाजें सुनाई दीं, जिसके बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया। हालांकि कुवैती सेना ने स्पष्ट किया कि ये धमाके किसी बड़े हमले के नहीं, बल्कि एयर डिफेंस सिस्टम द्वारा दुश्मन के मिसाइल और ड्रोन को हवा में ही नष्ट किए जाने के कारण हुए थे।

कुवैत के जनरल स्टाफ ने आधिकारिक बयान जारी कर बताया कि देश की हवाई सुरक्षा इकाइयां पूरी तरह सक्रिय हैं और संभावित खतरों को लगातार ट्रैक किया जा रहा है। सेना के अनुसार, कई संदिग्ध हवाई लक्ष्यों को समय रहते इंटरसेप्ट कर निष्क्रिय कर दिया गया, जिससे किसी बड़े नुकसान को टाल दिया गया। रक्षा अधिकारियों ने कहा कि मौजूदा हालात को देखते हुए पूरे देश में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया गया है।

इस घटनाक्रम के बीच ईरान के सरकारी प्रसारक आईआरआईबी ने दावा किया कि कुवैत में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया है। ईरान का कहना है कि यह कार्रवाई फारस की खाड़ी, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज और केश्म द्वीप क्षेत्र में अमेरिका की बढ़ती सैन्य गतिविधियों के जवाब में की गई। हालांकि अमेरिकी प्रतिष्ठानों को किसी प्रकार के नुकसान या हताहतों की अब तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

कुवैत के रक्षा मंत्रालय ने नागरिकों और विदेशी कामगारों के लिए विशेष एडवाइजरी जारी की है। मंत्रालय के प्रवक्ता कर्नल सऊद अब्दुलअजीज अल-ओतैबी ने लोगों से अपील की कि इंटरसेप्शन के बाद जमीन पर गिरने वाले धातु के टुकड़ों, मलबे या किसी भी संदिग्ध वस्तु के पास न जाएं। उन्होंने कहा कि ऐसी किसी वस्तु की जानकारी तुरंत आपातकालीन नंबर 112 पर दी जाए।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर क्यों बढ़ी चिंता?

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज दुनिया के सबसे व्यस्त तेल मार्गों में शामिल है। यहां तनाव बढ़ने से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और वैश्विक व्यापार प्रभावित होने की आशंका बढ़ जाती है।

ड्रोन और मिसाइल युद्ध का नया खतरा

हाल के वर्षों में मध्य-पूर्व में ड्रोन और लंबी दूरी की मिसाइलों का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है। कम लागत और अधिक सटीकता के कारण ये हथियार आधुनिक युद्ध का बड़ा माध्यम बनते जा रहे हैं।

नागरिकों के लिए क्यों जारी हुई चेतावनी?

इंटरसेप्ट किए गए मिसाइल और ड्रोन के धातु टुकड़े जमीन पर गिरकर गंभीर हादसे का कारण बन सकते हैं। इसी वजह से कुवैत सरकार ने लोगों को किसी भी संदिग्ध वस्तु से दूर रहने और तुरंत सूचना देने को कहा है।

क्यों अहम है कुवैत?

कुवैत खाड़ी क्षेत्र में अमेरिका का महत्वपूर्ण सैन्य सहयोगी माना जाता है। यहां कई अमेरिकी सैन्य सुविधाएं और लॉजिस्टिक बेस मौजूद हैं, जो मध्य-पूर्व में अमेरिकी अभियानों के लिए रणनीतिक भूमिका निभाते हैं।

खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते सैन्य तनाव ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय की चिंता भी बढ़ा दी है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि अमेरिका और ईरान के बीच हालात जल्द नियंत्रित नहीं हुए, तो इसका असर वैश्विक तेल आपूर्ति, व्यापारिक मार्गों और क्षेत्रीय सुरक्षा पर गंभीर रूप से पड़ सकता है। फिलहाल कुवैत समेत पूरे खाड़ी क्षेत्र में सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं और हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है।

ओटीएस समझौते के बाद नहीं चल सकता क्रिमिनल केस

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बैंकिंग और कॉरपोरेट सेक्टर को बड़ी राहत देते हुए कहा है कि यदि बैंक और कर्जदार के बीच वन टाइम सेटलमेंट (ओटीएस) के तहत विवाद सुलझ चुका है, तो उसके बाद आपराधिक मुकदमा जारी रखना न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग माना जाएगा। अदालत ने स्पष्ट किया कि ऐसे मामलों में दंडात्मक कार्रवाई जारी रखने से कारोबारी माहौल और अर्थव्यवस्था दोनों पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है।

यह फैसला जस्टिस बी.वी. नागरत्ना और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने एक कारोबारी की याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया। पीठ ने संबंधित कारोबारी के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामला रद्द करते हुए कहा कि बैंकिंग लेन-देन मूलतः दीवानी प्रकृति के होते हैं। जब दोनों पक्ष आपसी सहमति से विवाद समाप्त कर चुके हों और भुगतान स्वीकार कर लिया गया हो, तब आपराधिक कार्यवाही जारी रखना अनुचित है।

मामला एक व्यापारिक ऋण विवाद से जुड़ा था। कारोबारी ने डेब्ट रिकवरी ट्रिब्यूनल के समक्ष बैंक के साथ समझौता किया था। कुल 6.49 करोड़ रुपये के बकाये के मुकाबले 4.25 करोड़ रुपये का भुगतान अंतिम निपटारे के रूप में किया गया, जिसमें ब्याज राशि भी शामिल थी। बैंक ने भुगतान स्वीकार कर खाता बंद कर दिया था।

➪ अदालत बोली- यह न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग

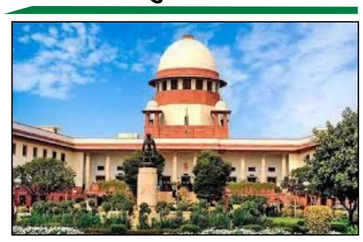

हालांकि, समझौते के करीब दो वर्ष बाद बैंक ने कारोबारी पर धोखाधड़ी और जालसाजी का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज करा दिया। जांच सीबीआई को सौंपी गई। सीबीआई ने आरोप लगाया कि कारोबारी ने फर्जी ऑडिट रिपोर्ट के जरिए अपनी कैश क्रेडिट लिमिट बढ़वाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी की कि जब बैंक को उसकी राशि प्राप्त हो चुकी है और मूल विवाद समाप्त हो गया है, तब दोषसिद्धि की संभावना बेहद कम रह जाती है। ऐसे मामलों को जारी रखना आरोपी के साथ अन्याय होगा।

अदालत ने यह भी कहा कि यदि वैध समझौतों के बाद भी आपराधिक कार्रवाई जारी रहेगी, तो भविष्य में कारोबारी ह्रास जैसे त्वरित समाधान अपनाने से बचेंगे। इससे मुकदमों का बोझ बढ़ेगा और देश के व्यापारिक वातावरण पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। यह फैसला एनपीए वसूली और कॉरपोरेट विवादों के सौहार्दपूर्ण समाधान के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

मोजतबा खामेनेई जिंदा हैं और फैसलों में निभा रहे सक्रिय भूमिका

स्वराज इंडिया न्यूज डेस्क

नई दिल्ली। ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई को लेकर चल रही तमाम अटकलों के बीच अमेरिका की ओर से बड़ा बयान सामने आया है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने दावा किया है कि मोजतबा खामेनेई जीवित हैं और ईरान के रणनीतिक एवं सैन्य फैसलों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। अमेरिकी सीनेट की फॉरेन रिलेशन कमिटी के समक्ष दिए गए इस बयान ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हलचल पैदा कर दी है। दरअसल, फरवरी में ईरान पर अमेरिका और इजरायल द्वारा किए गए हमलों के बाद यह खबरें सामने आई थीं कि मोजतबा खामेनेई गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। कुछ रिपोर्टों में उनके पैर में गंभीर चोट लगने का दावा किया गया था। इसके बाद लंबे समय तक सार्वजनिक रूप से उनकी अनुपस्थिति और केवल लिखित संदेश जारी होने के कारण उनकी मौत तक की अफवाहें फैलने लगी थीं।

हालांकि अब मार्को रुबियो ने स्पष्ट कहा है कि अमेरिकी एजेंसियों के पास ऐसे कई संकेत और खुफिया सूचनाएं हैं, जिनसे यह पुष्टि होती है कि मोजतबा खामेनेई पूरी तरह जीवित हैं और ईरान की सत्ता व्यवस्था में प्रभावशाली भूमिका निभा रहे हैं। रुबियो के इस बयान को ईरान की आंतरिक राजनीति और मध्य पूर्व की रणनीतिक स्थिति के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

➪ अमेरिकी विदेश मंत्री के बयान से ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई को लेकर फैली मौत और गंभीर चोट की अटकलों पर विराम लगने के संकेत मिले

रुबियो ने ईरान के साथ संभावित समझौते को लेकर अमेरिका का रुख भी साफ किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका किसी भी समय तेहरान के साथ समझौते के लिए तैयार है, लेकिन इसके लिए ईरान को कुछ अहम शर्तें माननी होंगी। इनमें स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को पूरी तरह खोलना, अंतरराष्ट्रीय जहाजों पर हमले रोकना, परमाणु कार्यक्रम सीमित करना और यूरेनियम संवर्धन बंद करना शामिल है।

इधर खाड़ी क्षेत्र में तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने कुवैत, इराक, बहरीन और एरबिल स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल हमलों की जिम्मेदारी ली है। ईरान का कहना है कि यह कार्रवाई अमेरिका द्वारा उसके केशम द्वीप पर किए गए हमले के जवाब में की गई। बढ़ते सैन्य तनाव और तीखी कूटनीतिक बयानबाजी ने पूरे मध्य पूर्व को एक बार फिर अस्थिरता के मुहाने पर ला खड़ा किया है।

- अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने पहली बार सार्वजनिक रूप से मोजतबा खामेनेई के जीवित होने का दावा किया।
- फरवरी के हमलों के बाद मोजतबा के गंभीर रूप से घायल होने की खबरें सामने आई थीं।
- लंबे समय तक सार्वजनिक रूप से नजर न आने के कारण मौत की अफवाहें तेज हो गई थीं।
- रुबियो के अनुसार अमेरिकी खुफिया एजेंसियों के पास मोजतबा के सक्रिय होने के स्पष्ट संकेत हैं।
- अमेरिका ने ईरान के सामने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज खोलने की शर्त रखी है।
- यूरेनियम संवर्धन बंद करने को लेकर अमेरिका ने सख्त रुख अपनाया है।
- आईआरजीसी ने खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों पर मिसाइल हमलों की जिम्मेदारी ली है।
- बढ़ते सैन्य तनाव के चलते मध्य पूर्व की स्थिति फिर वैश्विक चिंता का केंद्र बन गई है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **सपना देवी** द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर-208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक: अनूप कुमार** **RNI No.:** UPHIN/2023/86739 ❍ **Email:** swarajindia2023@gmail.com ❍ Mob: 7800009853, ❍ **Website:** www.swarajindianews.com ❍ (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे) **प्रधान संपादक: पुरुषोत्तम द्विवेदी**

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com